RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः221, मंगलवार, 19 अगस्त 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

मोबाइल ई.वी.एम. डेमॉस्ट्रेशन वैन के माध्यम से मतदाताओं में जागरूकता... 03

चुनाव लड़ना मकसद नहीं बल्कि जनता की सेवा और आवाज को सदन तक ... 04

शाहिद कपूर की रोमियो में तमन्ना भाटिया की एंट्री, सामने आई ये ... 07

संक्षिप्त समाचार

उपराष्ट्रपति उम्मीदवार बनाए जाने पर पीएम समेत कई नेताओं ने राधाकृष्णन को दी बधाई

नई दिल्ली : महाराष्ट्र के राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन को एनडीए ने उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार घोषित किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उन्हें इस अवसर पर बधाई दी। इसे लेकर अन्य नेताओं की ओर से भी राधाकृष्णन को शुभकामनाएं दी जा रही हैं। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि अपने लंबे सार्वजनिक जीवन में सीपी राधाकृष्णन ने अपनी लगन, विनम्रता और बुद्धिमत्ता से अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। विभिन्न पदों पर रहते हुए उन्होंने हमेशा सामुदायिक सेवा और वंचितों के सशक्तिकरण पर ध्यान केंद्रित किया है।

विवेक अग्निहोत्री के खिलाफ 'द बंगाल फाइल्स' को लेकर नई एफआईआर दर्ज

कोलकाता : फिल्म निर्देशक विवेक अग्निहोत्री की आगामी फिल्म 'द बंगाल फाइल्स' को लेकर विवाद और गहराता जा रहा है। स्वतंत्रता सेनानी गोपाल मुखर्जी उर्फ गोपाल पाठा के पोते संतना मुखर्जी ने फिल्म में उनके दादा के चरित्र को गलत तरीके से पेश करने का आरोप लगाते हुए नई एफआईआर दर्ज कराई है। सोमवार को संतना मुखर्जी ने कहा है कि फिल्म में उनके दादा को 'कसाई' के रूप में दिखाया गया है, जो ऐतिहासिक तथ्यों के विपरीत है। उन्होंने आरोप लगाया कि परिवार से बिना अनुमति लिए ही गोपाल मुखर्जी का चरित्र फिल्म में शामिल किया गया। संतना मुखर्जी ने स्पष्ट किया कि उनके दादा अनुशीलन समिति के सदस्य थे, कुश्ती में पारंगत थे और 1946 के दंगों के दौरान मुस्लिम लीग की हिंसा से लोगों की रक्षा के लिए हथियार उठाए थे।

कृष्णा जन्माष्टी की शोभायात्रा के रथ में उतरा करंट, 6 की मौत

हैदराबाद । राजधानी के रामंतपुर के गोकुलनगर में श्रीकृष्णा जन्माष्टमी के दिन शोभायात्रा के दौरान एक रथ के करंट की चपेट में आने मरने वालों की संख्या छह हो गई है। इस बीच राज्य सरकार ने मृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। दरअसल, श्रीकृष्णाजन्माष्टमीकेदिन रविवार की रात स्थानीय यादव संगम की ओर से एकशोभायात्रा निकाली गई थी। देर रात 12.30 बजे शोभायात्रा में शामिल रथ को खींचने वाले वाहन के खराब होने के बाद कुछ युवकों ने हाथ से रथ को आगे खींचना शुरू किया। तभी रथ बिजली के तारों की चपेट में आ गया और वाहन में करंट प्रवाहित हो गया, जिसकी चपेट में नौ युवक आ गए।

महाराष्ट्र में मूसलाधार बारिश से हाहाकार, सात लोगों की मौत

एजेंसी, मुंबई

महाराष्ट्र में सोमवार को हो रही मूसलाधार बारिश से हाहाकार मच हुआ है। बारिश की वजह से घर गिरने, बाढ़ में बह जाने आदि कारणों से सात लोगों की मौत हो गई है। भारतीय मौसम विभाग ने २१ अगस्त तक सूबे के कुल ३६ जिलों में से १६ जिलों में रेड या एलो अलर्ट की चेतावनी दी है। इसे देखते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने प्रशासन को अलर्ट मोड पर रहने का निर्देश दिया है।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने आज मंत्रालय के राज्य आपदा प्रबंधन कक्ष में पूरे राज्य में वर्षा की स्थिति की समीक्षा की। इसमें संभागीय आयुक्तों ने अपने विभागों में वर्षा के बारे में जानकारी प्रस्तुत की। रत्नागिरी, रायगढ़ और हिंगोली जिलों में अधिक वर्षा हुई है। मौसम विभाग ने भी 17 से 21 अगस्त के बीच भारी वर्षा की चेतावनी दी है। इस बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने पत्रकारों को बताया कि सूबे में भारी बारिश से पिछले दो दिनों में विभिन्न घटनाओं में

सात लोगों की मौत हो गई है। कोंकण की कुछ नदियाँ खतरे के निशान को पार कर गई हैं और जलगाँव में भारी नुकसान हुआ है। अलमट्टी के संबंध में कर्नाटक सरकार से लगातार संपर्क बनाए रखा जा रहा है और हालाँकि फिलहाल कोई खतरा नहीं है फिर भी मुख्यमंत्री ने व्यवस्था को अलर्ट पर रखने का आदेश दिया है। मुखेड़ में स्थिति नियंत्रण में है और विष्णुपुरी पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि छत्रपति संभाजीनगर संभाग के 800 गाँव प्रभावित हुए हैं। दक्षिण गढ़चिरौली में प्रशासन अलर्ट पर है। अकोला, चंदूर रेलवे, मेहकर, वाशिम में स्थिति सामान्य हो रही है। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, विदर्भ में 2 लाख हेक्टेयर में फसलों को नुकसान पहुँचा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुंबई में आज सुबह से केवल आठ घंटों में 170 मिमी बारिश हुई है। शहर में दो स्थानों पर जलभराव के कारण यातायात प्रभावित हुआ है। रेलवे, मेट्रो और अन्य परिवहन सुचारू रूप से चल रहे हैं। अगले 10 से 12 घंटे मुंबई के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं और मुख्यमंत्री ने प्रशासन को इसका ध्यान रखने का आदेश दिया है। स्थानीय प्रशासन और नगरपालिकाओं को कल के मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए स्कूलों की छुट्टियां घोषित करने का अधिकार दिया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए निर्देशों में नागरिकों से अपील की गई है कि वे एसएमएस अलर्ट भेजते समय सटीक समय का उल्लेख करें, आने वाले अलर्ट को गंभीरता से लें और अपना ध्यान रखें। उन्होंने स्पष्ट किया कि तत्काल सहायता के लिए मंत्रालय से संपर्क करने की आवश्यकता नहीं है, स्थानीय स्तर पर धनराशि और अधिकार दिए गए हैं। घर गिरने पर सहायता प्रदान करने और पंचनामा ठीक से करने के निर्देश भी दिए गए। खतरे का स्तर बढ़ने से पहले अन्य राज्यों से संपर्क करने को कहा गया। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि पर्यटन स्थलों पर पुलिस सतर्क रहे। भूस्खलन क्षेत्रों में व्यवस्था पहले से चालू रहे और आश्रय केंद्रों में पर्याप्त भोजन, स्वच्छ पानी और कपड़े उपलब्ध कराए जाएं।

सिंधु जल संधि पंडित नेहरू की सबसे बड़ी भूलः नड्डा

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सिंधु जल संधि-1960 को लेकर कांग्रेस पर हमला बोला और इसे तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की सबसे बड़ी भूल करार दिया है। नड्डा ने सोमवार को एक्स पोस्ट में कहा कि 1960 की सिंधु जल संधि, पंडित नेहरू की सबसे बड़ी भूलों में से एक थी, जिसमें राष्ट्रीय हितों को व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं की बलि चढ़ा दिया गया था।

देश को यह जानना चाहिए कि जब पंडित नेहरू ने पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि पर हस्ताक्षर किए थे, सिंधु बेसिन का 80 प्रतिशत पानी पाकिस्तान को सौंप दिया था। यह एक ऐसा फैसला था जिसने भारत की जल सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों को हमेशा के लिए खतरे में डाल दिया था। सबसे भयावह पहलू यह था कि उन्होंने यह काम भारतीय संसद से परामर्श किए बिना किया था। इस संधि पर सितंबर 1960 में हस्ताक्षर किए गए थे। हालांकि इसे संसद में दो महीने बाद नवंबर में केवल दो घंटे की औपचारिक चर्चा के लिए रखा गया था। भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने कहा कि पंडित नेहरू ने संसद की अवहेलना की, भारत की जीवनरेखाओं को दांव पर लगा दिया और पीढ़ियों तक भारत के हाथ बांध दिए। अगर प्रधानमंत्री मोदी का साहसिक नेतृत्व और 'राष्ट्र प्रथम' के प्रति उनकी प्रतिबद्धता न होती, तो आज भी भारत एक व्यक्ति के गलत आदर्शवाद की कीमत चुकाता रहता। सिंधु जल संधि को स्थगित करके, प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस द्वारा की गई एक और गंभीर ऐतिहासिक भूल को सुधारा है। उन्होंने कहा कि जब पंडित नेहरू अंततः उठे तो उनके तर्क न केवल अप्रभावी थे, बल्कि राष्ट्रीय भावना से भी काफी दूर थे। अपनी ही पार्टी के साथियों के कड़े विरोध के बावजूद उन्होंने सिंधु जल संधि का बचाव किया और इसे भारत के लिए लाभकारी बताया।

देव सूर्य मंदिर पहुंचे राहुल गांधीः पूजा अर्चना कर दूसरे दिन की यात्रा पर निकले

एजेंसी, पटना

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने वोट चोरी के मामले में तहलका मचा रखा है। इसी बीच उन्होंने वोटर अधिकार यात्रा की शुरुआत भी कर दी है। दूसरे दिन की यात्रा औरंगाबाद जिले के देवकुंड स्थित भगवान भास्कर के मंदिर में पूजा अर्चना के बाद शुरू की। उन्होंने सोमवार की सुबह महागठबंधन के अन्य नेताओं के साथ देवकुंड पहुंचे और भगवान भास्कर की पूजा अर्चना की तथा देश में सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। राहुल गांधी के साथ तेजस्वी यादव भी थे। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी मंगलवार शाम अपनी यात्रा के क्रम में बिहार के औरंगाबाद जिले पहुंचे थे। वोटर अधिकार यात्रा का उद्देश्य देश के नागरिकों को वोटिंग अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। यहां लोगों को संबोधित करने के बाद वे बभंडी मैदान में रात्रि विश्राम करेंगे। पहले दिन उनकी यात्रा 60 किलोमीटर चली थी। यात्रा के दूसरे दिन वे गुरारू बागड़िहा मोड़ होते हुए गया पहुंचेंगे। वे आज गेवाल बिगहा के खलीस पार्क के पास सभा को संबोधित करेंगे और रसलपुर में रात्रि विश्राम करेंगे। बिहार कांग्रेस ने राहुल गांधी के पूजा अर्चना करने की तस्वीर सोशल नेटवर्किंग साइट एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, औरंगाबाद के देवकुंड में ऊर्जा एवं शक्ति के अनंत स्रोत भगवान भास्कर के प्रसिद्ध सूर्य मंदिर में जननायक नेता विपक्ष राहुल गांधी और इंडिया ब्लॉक के नेताओं ने देवकुंड सूर्य मंदिर में पूजा-अर्चना कर, देश में सुख-शांति और समृद्धि की कामना की।

दिल्ली के 32 स्कूलों को मिली बम से उड़ाने की धमकी

एजेंसी, नई दिल्ली । दिल्ली में एक बार फिर स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। राष्ट्रीय राजधानी के 32 स्कूलों को सोमवार सुबह बम की धमकी मिली। इनमें से अधिकतर कॉल द्वारका स्थित स्कूलों को मिली है। एहतियात के तौर पर स्कूलों को खाली कराया गया और आसपास के इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी गई। जांच के बाद पुलिस ने तफ्तीश के बाद इस धमकी को फर्जी बताया। अधिकारियों ने बताया कि ये धमकियां सोमवार तड़के ईमेल के जरिए दिल्ली के विभिन्न स्कूलों को भेजी गईं। स्कूल परिसर की गहन जांच की और धमकियों को झूठा बताया, क्योंकि वहां कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। दमकल विभाग के अनुसार सोमवार सुबह करीब 7.25 से लेकर दोपहर 12.25 बजे तक दमकल कंट्रोल रूम को दिल्ली के 32 स्कूलों में बम होने की सूचना मिली।

संसद परिसर में विपक्ष का जोरदार प्रदर्शन, एसआईआर और वोट चोरी मुद्दे पर सरकार को घेरा

एजेंसी, नई दिल्ली

संसद के मानसून सत्र के बीच सोमवार को विपक्षी दलों ने संसद भवन परिसर में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और वोट चोरी के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान इंडिया गठबंधन के सांसदों ने हाथों में पोस्टर-बैनर लेकर "वोट चोरी बंद करो", "मोदी सरकार हाय-हाय" के नारे लगाए। विपक्ष के इस प्रदर्शन का नेतृत्व राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने किया। उनके साथ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), द्रमुक (डीएमके), वामपंथी दलों, राजद (आरजेडी) और समाजवादी पार्टी (एसपी) के सांसद भी शामिल हुए। विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया कि बिहार में चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची संशोधन की प्रक्रिया निष्पक्ष नहीं है और यह सरकार के इशारे पर की जा रही है। विरोध प्रदर्शन के दौरान विपक्षी सांसदों ने तमिलनाडु और तेलंगाना के मुद्दों का भी जिक्र किया। तेलंगाना के किसानों को यूरिया की कमी का सामना करना पड़ रहा है। विपक्ष ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने राज्य को 8.3 लाख मीट्रिक टन यूरिया देने का वादा किया था, लेकिन अब तक सिर्फ 5.3 लाख मीट्रिक टन ही उपलब्ध कराया गया है। विपक्षी सांसदों का कहना है कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए इस तरह के प्रदर्शन जरूरी हैं।

संसद का मानसून सत्र

विपक्ष के विरोध और हंगामे के बीच दोनों सदन स्थगित

एजेंसी, नई दिल्ली । संसद के मानसून सत्र के 18वें दिन सोमवार को दोनों सदनों की कार्यवाही विपक्ष के जोरदार विरोध और हंगामे के बीच स्थगित हो गई।

राज्यसभा की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक स्थगित करनी पड़ी। इससे पहले उपसभापति ने नियम 267 के तहत आई सभी 19 नोटिस खारिज कर दिए, जिसके बाद विपक्ष ने जोरदार विरोध जताया और सदन में शोर-शराबा बढ़ गया। इसी तरह लोकसभा में भी कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सांसदों के हंगामे के कारण प्रश्नकाल बाधित हुआ और सदन को दोपहर तक के लिए स्थगित करना पड़ा। विपक्ष के विरोध के चलते लगातार संसद का मानसून सत्र लगभग ठप रहा है।

चुनाव आयोग की विश्वसनीयता अब जनता के भरोसे : तेजस्वी यादव

राकेश कुमार@बीएनएम

पटना। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने मंगलवार को देश के मुख्य चुनाव आयुक्त पर तेज हमला बोलते हुए कहा कि निर्वाचन आयोग ने अपनी निष्पक्षता और पारदर्शिता खो दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान मुख्य चुनाव आयुक्त चंडीगढ़ मेयर चुनाव के प्रिजाइडिंग अफसर (आरओ) अनिल मसीह से भी बेहतर "प्रदर्शन" करने की कोशिश कर रहे हैं। तेजस्वी ने याद दिलाया कि उस चुनाव में भाजपा के पक्ष में वोटों को ग़लत तरीके से ख़ारिज किया गया था और अब उसी तरह की घटनाएं लोकसभा चुनाव से पहले दोहराई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि यह बेहद गंभीर विषय है कि संवैधानिक संस्थाओं का

राजनीतिक हित में खुलकर दुरुपयोग किया जा रहा है। मुख्य चुनाव आयुक्त पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि वे बच्चों जैसी बचकानी दलीलें देकर जनता को भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं। तेजस्वी यादव ने कहा कि अब चुनाव आयोग की विश्वसनीयता बचाने की जिम्मेदारी अधिकारियों पर नहीं, बल्कि सीधे तौर पर जनता पर आ गई है। उन्होंने कहा कि यदि जनता ने इस स्थिति को गंभीरता से नहीं लिया और अपने संवैधानिक अधिकारों का प्रभावी इस्तेमाल नहीं किया, तो लोकतांत्रिक संस्थाओं से जनता का भरोसा समाप्त हो जाएगा। उन्होंने कहा कि चुनाव जैसी महत्वपूर्ण प्रक्रिया को निष्पक्ष व पारदर्शी रूप से संपन्न कराने के लिए व्यापक जनजागरूकता और एक मज़बूत जनमत की आवश्यकता है। तेजस्वी यादव ने सरकार पर आरोप लगाया कि सत्ता में बैठे लोग लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने की कोशिश में लगे हैं। उन्होंने कहा कि समय आ गया है जब देश की जनता एकजुट होकर यह संदेश दे कि लोकतंत्र और संविधान से कोई समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

खाद्य आपूर्ति और सार्वजनिक वितरण व्यवस्था में कोई योग्य लाभुक योजना से वंचित नहीं रहे : मुख्य सचिव

एजेंसी, रांची

झारखंड की मुख्य सचिव अलका तिवारी ने राज्य के तमाम उपायुक्तों को निर्देश दिया है कि खाद्य आपूर्ति और सार्वजनिक वितरण व्यवस्था में यह सुनिश्चित करें कि कोई योग्य लाभुक योजना से वंचित नहीं रहे। साथ ही मृत लाभुकों को चिह्नित कर उन्हें प्राथमिकता के स्तर पर हटाएं, ताकि नये लाभुक जोड़े जा सके। मुख्य सचिव ने सोमवार को कहा कि इस प्रक्रिया में इस पर विशेष रूप से फोकस करें कि डाटा में कोई त्रुटि नहीं रहे। लाभुकों के केवाईसी पूर्ण हों। इसमें कोई समस्या हो, तो उसका परीक्षण करें कि कहां दिक्कत है और उसका समयबद्ध तरीके से निपटारा करें। हर माह इसका भौतिक निरीक्षण करें और रिकार्ड व बुक कीपिंग अपटूडेट रखें। मुख्य सचिव सोमवार को खाद्य आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में आवश्यक सुधार को लेकर समीक्षा बैठक कर रही थीं। उन्होंने राज्य के निर्धन लोगों के बीच साल में दो बार धोती-साड़ी वितरण को लेकर यह निर्देश दिया कि इसमें तेजी लाएं। उड़नदस्ता टीम बनाकर वितरण की जांच करें और यह सुनिश्चित करें कि कहीं कोई अनियमितता नहीं हो। उन्होंने सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के लाभुकों की जागरूकता पर बल देते हुए निर्देश दिया कि यह सुनिश्चित होना चाहिये कि लाभुकों को योजना की मूलभूत जानकारी रहे। इसके लिए होर्डिंग, फ्लैक्स, नुक्कड़ नाटक जैसे हर सक्षम माध्यम का उपयोग करें। उसमें स्थानीय भाषा का प्रयोग करें। लाभुकों को यह हर हाल में पता होना चाहिये कि उन्हें क्या मिलना है, कितना मिलना है, कहां मिलना है और कब मिलना है। मुख्य सचिव ने राज्य के तमाम गोदामों को समयबद्ध तरीके से कार्यशील करने पर बल देते हुए कहा कि थोड़े प्रयास से सभी गोदामों को कार्यशील बनाया जा सकता है। समीक्षा में पाया गया कि मामूली कमियों के कारण अनेक गोदाम उपयोग में नहीं हैं। इसे देखते हुए निर्देश दिया गया कि उपायुक्त अपने स्तर से इसमें रुचि लेकर गोदामों को उपयोगी बनाना सुनिश्चित करायें।

केंद्र सरकार ने बिहार के विकास के लिए 3 लाख करोड़ रुपये दिए : नित्यानंद राय

एजेंसी, पटना

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 22 अगस्त को प्रस्तावित दौरे से पहले तैयारियों की समीक्षा के लिए केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय सोमवार को गयाजी पहुंचे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार ने बिहार के विकास के लिए 3 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि दी है। केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से बिहार को जो अतिरिक्त राशि दी गयी है, वह राशि बाढ़ प्रबंधन, पुनौरा धाम के विकास, गयाजी कॉरिडोर सहित कई सर्किट और परियोजनाओं पर खर्च की जा रही है। उन्होंने कहा कि आज बिहार का विकास केवल कागजों पर नहीं, जमीन पर दिख रहा है। बिहार से अब पलायान में कमी आई है। उन्होंने गिनाया कि मनरेगा के माध्यम से ग्रामीण मजदूरों को काम मिला, मुद्रा योजना के तहत लाखों युवाओं को लोन दिए गए, फूड प्रोसेसिंग, सड़क निर्माण, बिजली, अस्पताल और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) के तहत छोटे उद्योग व दुकानों के जरिये रोजगार उपलब्ध कराए जा रहे हैं। मंत्री नित्यानंद राय ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर कांग्रेस पर भी निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि जिन्होंने फर्जी तरीके से घुसपैठियों को मतदाता बनाया, उनके नाम काटे जा रहे हैं, तो कांग्रेस को दर्द हो रहा है। रोहिंग्या और बांग्लादेशी बिहार के युवाओं का हक मार रहे थे, उनकी भूमिका पर सवाल क्यों न उठे? नित्यानंद राय ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि लालू जी के राज में चारा, अलकतरा, दूध और वर्दी घोटाले से बिहार की पहचान बनी। अपहरण उद्योग फलता-फूलता था, अपराधियों को मंत्री के घरों में जगह मिलती थी। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने उस दौर को बदलकर राज्य को विकास की राह पर खड़ा किया। केंद्रीय मंत्री ने विश्वास जताया कि आने वाले विधानसभा चुनावों में जनता पुनः राजग को मजबूत सरकार बनाने का अवसर देगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का काम जनता देख रही है। बिहार का विकास रुकने वाला नहीं है। 22 अगस्त को प्रधानमंत्री का गयाजी आगमन तय है। इस दौरान वे गया कॉरिडोर और अन्य परियोजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन करेंगे। प्रशासनिक स्तर पर सुरक्षा और आयोजन की पूरी तैयारी की जा रही है। उल्लेखनीय है कि बीते दो दिनों से नित्यानंद राय गयाजी में है। रविवार को उन्होंने प्रधानमंत्री की जनसभा में आने के लिए आमंत्रण देने जिले के वजीरगंज, बेलागंज, बोधगया और बाराचट्टी विधानसभा में विभिन्न स्थानों पर लोगों के साथ जनसंवाद किया।

संक्षिप्त समाचार

खेसारी लाल के पोस्ट पर यूजर्स भड़के, कहा- आप खुद फूहड़ता फैलाते हैं, ज्ञान मत दीजिए

पटना। भोजपुरी स्टार खेसारी लाल यादव ने प्रेमानंद महाराज को लेकर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया। जिसमें उन्होंने कहा- 'वो पाप धोने वाले मशीन नहीं हैं। सच्ची श्रद्धा है तो बस उनकी बातों को मानिए। हर जगह प्रमोशन और प्रचार ठीक नहीं लगता।' खेसारी लाल के इस पोस्ट पर यूजर्स के अलग-अलग रिएक्शन आ रहे हैं। कोई इस बयान से सहमत है तो किसी ने कहा- आप खुद अपनी फिल्मों में फूहड़ता फैलाते हैं, तो आपके मुंह से ये ज्ञान अटपटा लगता है। कुछ यूजर ने इसे तेजस्वी यादव से हुई मुलाकात से भी

जोड़ा। लिखा- 'खेसारी जी बात तो आपकी सही है लेकिन आपका अब कोई कुछ नही बिगाड़ सकता क्योंकि दो दिन पहले ही आप अपने आराध्य की चरण धूल सर पर सजाकर आए हो।' बता दें कि 14 अगस्त को भोजपुरी स्टार ने नेता प्रतिपक्ष से मुलाकात की थी। हालांकि, इस मुलाकात पर उन्होंने कहा था, 'बड़े भैया (तेजस्वी यादव) से मिलने आए थे।' खेसारी लाल ने सोमवार सुबह 9 बजे सोशल मीडिया X पर अपने हैंडल से एक अपील वाली पोस्ट की। उसमें लिखा- 'प्रेमानंद महाराज को बस अनुभूति कीजिए, कुछ दिन से नोटिस किए की कई लोग Image Making के लिए वहां जाने लगे हैं। 'वो पाप धोने वाले मशीन नहीं हैं। सच्ची श्रद्धा है तो बस उनके बातो को अनुसरण कीजिए। हर जगह प्रमोशन और प्रचार ठीक नहीं लगता।'

52 महादलित परिवारों की मुसीबत बढ़ी, दो महीने से झोपड़ियों में जमा है घुटना भर पानी

पटना। दानापुर में सड़क चौड़ीकरण से विस्थापित शिवाला मोड़ के 52 महादलित परिवार पिछले दो माह से कठिन परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं। बारिश के बाद से उनकी झोपड़ियों में घुटने भर काला पानी जमा है। पानी में कीड़े-मकोड़े पनप रहे हैं। बदबू आ रही है। परिवारों के पास खाना बनाने की व्यवस्था नहीं है। वे मंदिर में शरण लेकर रह रहे हैं। अब तक कोई प्रशासनिक अधिकारी या जनप्रतिनिधि उनकी स्थिति देखने नहीं आया है। महादलित परिवारों ने बताया कि वे शिवाला मोड़ स्थित मंदिर के पास परती जमीन पर झोपडिय़ां बनाकर रह रहे हैं। जमीन मालिक अब उन्हें वहां से हटने को कह रहे हैं। सड़क चौड़ीकरण के समय मुआवजे का वादा किया गया था। लेकिन, न तो मुआवजा मिला और न ही नई जमीन। पद्मश्री सुधा वर्गीज ने स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि डीएम, एसडीओ, सीओ और बीडीओ से शिकायत के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। जलजमाव से परिवारों का सामान खराब हो गया है। महामारी फैलने का खतरा है। सुधा वर्गीज ने कहा कि सरकार को सभी प्रभावित परिवारों की पहचान कर उन्हें जमीन उपलब्ध करानी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समाधान नहीं निकला तो चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा।

सीएनजी पंप पर स्टॉफ के साथ मारपीट, 1 आरोपी गिरफ्तार, देर होने पर 10 लोगों पर पिटाई का आरोप

पटना। मनेर थाना क्षेत्र के दरवेशपुर स्थित भगवान सर्विस स्टेशन पर सीएनजी भरने को लेकर विवाद हुआ। कुछ लोगों ने लाइन तोड़कर अपना टेंपो सीधे नोजल पर लगा दिया। स्टाफ के विरोध करने पर मारपीट शुरू हो गई। घटना में पंप कर्मी राकेश कुमार और प्रकाश कुमार घायल हो गए। आरोपी मनदा कुमार, राजेश कुमार, निक्की कुमार और 6 अज्ञात लोग टेंपो से आए थे। मारपीट के दौरान आरोपियों ने दो कर्मियों का सिर फोड़ दिया। उनसे 6 हजार रुपए छीन लिए। कुछ देर बाद आरोपी दस लोगों के साथ फिर लौटे। इस बार उनके पास हथियार थे। वे कैश काउंटर से पैसे छीनने की कोशिश करने लगे।

ग्रामीणों के जमा होने पर आरोपी भाग गए। जाते समय उन्होंने 5 लाख की रंगदारी की मांग की और अंजाम भुगतने की धमकी दी। पंप मालिक राहुल कुमार की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार ने बताया कि एक आरोपी राजेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया है। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

जदयू ऑफिस में उमेश कुशवाहा से मिली पार्षदों की टीम, पार्षद बोले- मांगे पूरी नहीं हुई, तो चुनाव में दिखेगा असर

पटना। बिहार के पार्षद सोमवार को पैदल मार्च पर निकले हैं। इसमें हजारों की संख्या में पूरे बिहार के विभिन्न नगर पालिका से पार्षद, उप मुख्य पार्षद और मुख्य पार्षद पटना में एकत्रित हुए हैं। इसके बाद सभी पार्षद दरोगा राय पथ से निकल गए हैं। पार्षदों ने कहा कि सरकार ने मांगे पूरी नहीं की तो विधानसभा चुनाव में इसका असर दिखेगा। सभी पार्षद विरोध करेंगे। पार्षदों की मांग है कि मेयर और डिप्टी मेयर का चुनाव पहले की तरह पार्षद करें। वहीं, वेतनमान को 2500 से 10000 किया जाए। 11 शिष्टमंडल सदस्य जेडीयू कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा और बीजेपी में मुख्यालय प्रभारी से मिले है। उन्होंने बताया कि आश्वासन दिया गया है कि उनकी मांग पत्रों को आगे नगर विकास मंत्री जीवेश मिश्रा तक पहुंचाया जाएगा।

2 बच्चों के मौत मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट आई, बॉडी पर जलने के निशान नहीं

पटना। पाटलिपुत्र थाना क्षेत्र के इंदिरानगर रोड नंबर 12 में हुई मासूम बच्चों की मौत के मामले में पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट सामने आ गई है। मौत के कारण पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में भी स्पष्ट नहीं हो पाया है। हालांकि इस रिपोर्ट में जलने की बात सामने नहीं आई है। अनुमान किया जा रहा है कि बॉडी कार से निकालने के दौरान खींचने में स्किन हट गई होगी। अब पुलिस की ओर से मंगलवार के दिन विसरा कोर्ट से अनुमति लेने के बाद FSL को जांच के लिए भेजा जाएगा। डॉक्टर भी FSL रिपोर्ट आने के बाद ही इस मामले में अपना ओपिनियन देंगे। उस रूट में लगे 15 से 20 कैमरे को पुलिस ने खंगाल लिया है। एक कैमरे की डीवीआर जांच के लिए भेजी गई है। पुलिस रोज कैमरे को एनालाइज कर रही है। बच्चों को कहीं-कहीं कैमरे में देखा भी गया है।

एसटीईटी कैंडिडेट्स पर पुलिस का लाठीचार्ज

♦ मजिस्ट्रेट के पैर पकड़कर अभ्यर्थी बोले- मुख्यमंत्री जी से मिलवा दीजिए सर

एजेंसी, पटना

पटना में STET, BTET और लाइब्रेरियन की परीक्षा की मांग को लेकर अभ्यर्थियों पर सोमवार को पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। अभ्यर्थी बड़ी संख्या में अभ्यर्थी पटना कॉलेज परिसर से CM हाउस घेराव के लिए निकले थे। कैंडिडेट्स भिखना पहाड़ी, खेतान मार्केट, जेपी गोलंबर होते हुए डाकबंगला चौराहा पहुंचे। यहां से CM हाउस जाने का प्लान था। इससे पहले पुलिस ने डाकबंगला चौराहे पर अभ्यर्थियों को पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रोका था। वाटर कैनन की गाड़ी भी बुलाई गई थी। कैंडिडेट्स बैरिकेडिंग पर चढ़कर सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे। वो यहां से आगे निकलने की कोशिश कर रहे थे। पुलिस ने बल प्रयोग कर सभी को खदेड़ा। इधर, लाठीचार्ज से पहले बातचीत के लिए छात्र नेता खुशबू पाठक समेत 5 लोगों को CM हाउस ले जाया गया है। प्रदर्शन के बीच मजिस्ट्रेट एमएच खान मौके पर पहुंचे। कैंडिडेट ने उनके पैर पकड़कर कहा- मुख्यमंत्री जी से मिलवा दीजिए सर।

CM के ऐलान के बाद गुस्से में कैंडिडेट्सः दरअसल, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 4 अगस्त को X पर लिखा था कि, TRE-4 की परीक्षा साल 2025 में और TRE-5 साल 2026 में ली जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि STET का आयोजन TRE-5 से पहले कराया जाएगा। यानी अब STET परीक्षा 2026 में होगी। इस घोषणा से उन हजारों युवाओं को गहरा झटका लगा है जो TRE-4 से पहले STET आयोजित कराए जाने की उम्मीद लगाए बैठे थे। इसके बाद से ही STET

कैंडिडेट्स में गुस्सा है।

शिक्षक बनने का नहीं मिल सकेगा मौकाः अभ्यर्थियों का कहना है कि 'अगर STET परीक्षा TRE-4 से पहले नहीं होती, तो सत्र 2022-2024 और 2023-2025 के B.Ed और BTC प्रशिक्षु छात्रों को इस भर्ती प्रक्रिया में शामिल होने का मौका नहीं मिल सकेगा।' 'छात्रों के पास शिक्षक बनने के लिए आवश्यक पात्रता ही नहीं होगी, क्योंकि STET के बिना वे TRE-4 में आवेदन करने के अयोग्य माने जाएंगे।' एक अभ्यर्थी ने सोशल मीडिया पर लिखा, "STET हर हाल में TRE-4 से पहले होना चाहिए। जब बोर्ड ने साल में दो बार परीक्षा कराने की बात कही थी, तो अब इतना लंबा गैप क्यों दिया जा रहा है।' एक अन्य छात्र ने कहा, 'हमारी पूरी तैयारी इस उम्मीद पर थी कि STET होगा और हम TRE-4 के लिए आवेदन कर पाएंगे, लेकिन सरकार ने अचानक दिशा बदल दी।'

7 अगस्त को STET छात्रों पर हुआ था लाठीचार्जः इससे पहले 7 अगस्त को पटना में STET (State Teacher Eligibility Test) की मांग को लेकर कैंडिडेट्स ने पटना की सड़कों पर 5 घंटे तक प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस ने लाठीचार्ज किया। अभ्यर्थी CM हाउस का घेराव करने निकले थे। कैंडिडेट्स डाकबंगला चौराहा होते हुए CM हाउस जाना चाह रहे थे, लेकिन पुलिस ने सभी को जेपी गोलंबर पर बैरिकेडिंग कर रोका। करीब 1 घंटे यहां प्रदर्शन के बाद कैंडिडेट्स बैरिकेडिंग तोड़कर आगे निकले लगे। इसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया।

20 अगस्त को होगा पटना मेट्रो का पहला ट्रायल रन

एजेंसी, पटना

पटना मेट्रो का इंतजार अब खत्म होने वाला है। 20 अगस्त से मेट्रो का ट्रायल शुरू किया जाएगा। पहले 15 अगस्त से ही ट्रायल शुरू होना था, लेकिन काम पूरा नहीं होने के कारण ट्रायल शुरू नहीं हो सका। यह ट्रायल रन प्रायोरिटी कॉरिडोर पर होगा। इस दौरान मेट्रो की स्पीड, सिग्नलिंग सिस्टम और ट्रैक की सुरक्षा से जुड़ी सभी चीजों की जांच की जाएगी। इस ट्रायल में सफलता मिलने के बाद ही मेट्रो को यात्रियों के लिए शुरू किया जाएगा। पटना मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (PMRCL) के अधिकारियों के मुताबिक डिपो के कुछ जरूरी काम अभी बाकी थे, जिन्हें पूरा करने में समय लगा। लेकिन, अब इन कामों को अंतिम रूप दे दिया गया है और मेट्रो को पटरी पर

♦ प्रायोरिटी कॉरिडोर पर दौड़ेगी मेट्रो, स्पीड, सिग्नलिंग सिस्टम और ट्रैक की सुरक्षा की होगी जांच

उतारने के लिए सारी तैयारी हो चुकी है। PMRCL की तरफ से लक्ष्य तय किया गया है कि सितंबर के अंत तक पटना में मेट्रो सेवा शुरू कर दी जाए। पिछले महीने पटना मेट्रो की 3 कोच पटना पहुंची थी। 74 चक्कों वाली खास ट्रक से इसे पुणे से पटना सड़क मार्ग द्वारा लाया गया था।

अफेयर में युवक को घर में ही गोली मारी, निर्माणाधीन घर में सो रहा था, अपराधियों ने कनपटी में मारी गोली

एजेंसी, पटना

बाढ़ थाना क्षेत्र के नवादा पंचायत स्थित लालाबागी में एक 16 वर्षीय युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान राज कुमार के रूप में हुई है। राज कुमार अपने निर्माणाधीन घर में सो रहा था। उसकी मां और बहन बगल में बने करकट के छोटे घर में थीं।

बिस्तर पर मिला शवः सुबह जब परिजन राज को जगाने गए, तो उसका शव बिस्तर पर मिला। उसकी कनपटी में गोली लगी थी और बिस्तर पर खून बहा हुआ था। राज के पिता की 10 साल पहले सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो चुकी थी। सरकार से मिले मुआवजे से वह नया घर बना रहा था। पिछले साल चोरी की घटना के कारण निर्माण कार्य रुका हुआ था।

थाने में शिकायत करने से पहले रोका थाः मृतक की मां ने बताया कि दो महीना पहले लड़की के परिजनों ने प्रेमी जोड़े के भागने की जानकारी दी थी। लेकिन युवक घर में था। लड़की के परिजन पास के ही हैं। उस समय थाना में शिकायत करने से रोका था। उसका कहना था कि मामले की शिकायत करने से बेइज्जती होगी। लड़की बराबर उसके बेटे से मिलती थी। उसकी तस्वीर भी है। दोनों अगर शादी करते तो वह लड़की को स्वीकार कर लेती।

जल्द गिरफ्तारी होगीः एसडीपीओ-2 अभिषेक सिंह ने बताया कि युवक को गोली मारकर हत्या की गई है, प्रेम प्रसंग में हत्या करने की जानकारी मिली है। जिस लड़की से युवक प्रेम करता था, उसके भाई को यह रिश्ता पसंद नही था। इसी को लेकर उसके द्वारा घटना को अंजाम दिया गया है। गोली चलाने वाले की पहचान हो गई है, जल्द ही उसकी गिरफ्तारी की जाएगी। अन्य बिंदुओं पर जांच की जा रही है। एफएसएल को साक्ष्य के लिए सूचित किया गया है। घटना कारित करने वाले और सहयोग करने वाले सभी को गिरफ्तार किया जाएगा। पूछताछ के लिए लोगों को हिरासत में लिया जा रहा है। युवक के सिर के निचले हिस्से में गोली लगी है पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद सारा मामला स्पष्ट हो पाएगा।

ई रिक्शा के ड्राइवर की हत्या, सड़क किनारे पानी में मिला शव, धारदार हथियार मौके पर से बरामद

एजेंसी, पटना

पटना से सटे दीदारगंज थाना क्षेत्र के फतेहपुर में एक युवक की बेरहमी से हत्या कर दी गई है। सोमवार सुबह ग्रामीणों ने सड़क किनारे पानी में एक शव को तैरता देखा, इसके बाद इलाके में सनसनी फैल गई। तत्काल दीदारगंज थाना पुलिस को सूचना दी गई, इसके बाद वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले की गहन छानबीन शुरू कर दी है।

घटनास्थल से कई औजार मिलेः ग्रामीणों के अनुसार मृतक का शव सड़क से नीचे पानी में मिला है। घटनास्थल से पुलिस को एक छेनी, धारदार चॉपर और पाइप सलाई रिंच जैसे औजार मिले हैं, जिससे यह आशंका जताई जा रही है कि धारदार हथियारों से वार कर युवक की हत्या की गई है। इसके अतिरिक्त, मौके से एक टोटो और हवाई चप्पल भी

बरामद हुए हैं। सुबह जब ग्रामीण इस रास्ते से गुजर रहे थे, तो पानी में शव देखकर उन्होंने शोर मचाना शुरू कर दिया, जिससे भारी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर इकट्ठा हो गए। ग्रामीणों की सूचना पर एसडीपीओ-1 अवधेश प्रसाद और दीदारगंज थाना अध्यक्ष तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और जांच में जुट गए। फिलहाल मृतक युवक की पहचान नहीं हो पाई है, पुलिस उसकी शिनाख्त के प्रयास कर रही है।

ई रिक्शा भी वहीं से मिलाः एसडीपीओ-1 अवधेश प्रसाद ने बताया कि सुबह सूचना मिली कि दीदारगंज थाना अंतर्गत फतेहपुर में एक अज्ञात व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है। सत्यापन के लिए पुलिस मौके पर पहुंची तो देखा कि एक व्यक्ति की सिर कुचलकर हत्या कर दी गई है। उसके बगल में उसका एक टोटो भी मिला है। उन्होंने आगे बताया कि शव के पास ही थोड़ी दूर पर एक चाकू और रॉड भी पाया गया है। पुलिस के अनुसार, शव को देखने से स्पष्ट पता चलता है कि यह हत्या का मामला है। एसडीपीओ अवधेश प्रसाद ने बताया कि फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (FSL) टीम को भी घटनास्थल पर बुलाया गया है, जो साक्ष्य जुटाने में मदद कर रही है। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए पटना भेजा जा रहा है। उन्होंने आश्वस्त किया कि जांच के बाद जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

जन सुराज के नेता को जान से मारने की धमकी

♦ रवि नारायण सिंह बोले- हेलमेट से सिर पर किया वार, पिस्टल लेकर खदेड़ा

एजेंसी, पटना

जनसुराज के नेता रवि नारायण सिंह को जान से मारने की धमकी मिली है। उन्होंने बताया कि 'आरोपी लगातार उन्हें कॉल कर गाली और धमकी दे रहा है। रविवार को कृष्ण मेमोरियल हॉल में परबत्ता से जेडीयू विधायक डॉक्टर संजीव की ओर से भूमिहार समाज के लोगों को एकजुट करने के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में गया था।' 'बाहर निकला तो मीडिया में बाइट देने लगा। इसी बीच एक युवक पास में सेल्फी लेने के लिए आया। उसके साथ फोटो खिंचवा रहा था, तब तक उसके कैमरे में दिखा कि मेरे ऊपर कोई हेलमेट से हमला कर रहा है। खुद को बचाने के लिए सिर झुका लिया।'

'इसके बाद 3-4 अपराधी प्रवृति के लोग आए। इसके बाद हमला कर दिया। इसी बीच उनमें से एक ने पिस्टल निकाल ली। छीनाझपटी कर उसके हाथ से पिस्टल छीन लिया। दौड़ा कर पीछा करने लगा। कुछ दूर जाने के बाद किसी ने धक्का दे दिया। पिस्टल छीनकर सब भाग गए।' रवि नारायण सिंह ने बताया कि इस घटना की शिकायत मैंने गांधी मैदान थाने में की है।

'जनता फिर से विकास को प्राथमिकता देगी'

एजेंसी, पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार ने रविवार को मीडिया से बात करते हुए कहा कि बिहार में एक बार फिर नीतीश कुमार के नेतृत्व में सरकार बनेगी। जनता फिर से विकास को ही प्राथमिकता देगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि जनता को पता है कि नीतीश कुमार ने पिछले दो दशकों में किस तरह हर क्षेत्र में काम किया है और इसलिए उन्हें ही फिर से राज्य की कमान सौंपी जाएगी।

नियमों के अनुसार चुनाव आयोग निर्णय लेगाः राहुल गांधी की वोट अधिकार यात्रा पर प्रतिक्रिया देते हुए निशांत ने कहा कि यह चुनाव आयोग से जुड़ा हुआ मामला है, इसलिए इस पर अभी टिप्पणी करना उचित नहीं होगा। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग इस मामले को देखेगा और नियमों के अनुसार निर्णय लेगा। वहीं, तेजस्वी यादव के इस आरोप पर कि नीतीश कुमार उनकी घोषणाओं की नकल कर रहे हैं। निशांत ने पलटवार करते हुए कहा कि क्या पिछले 20 साल से नीतीश कुमार तेजस्वी यादव की नकल कर

♦ सीएम के बेटे निशांत बोले- एक बार फिर नीतीश कुमार के नेतृत्व में सरकार बनेगी

रहे थे? उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ने हर क्षेत्र में ठोस काम किया है और उनकी योजनाओं का असर जमीन पर साफ नजर आता है। उन्होंने बताया कि बिहार में हर घर तक बिजली पहुंचाने का काम राज्य सरकार ने किया है और 125 यूनिट तक बिजली मुफ्त देने की व्यवस्था भी की गई है। निशांत ने आगे कहा कि नीतीश कुमार ने शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और कृषि सहित तमाम क्षेत्रों में लगातार सुधार किया है। उन्होंने याद दिलाया कि राज्य सरकार ने जातिगत गणना कराकर ऐतिहासिक कदम उठाया है, जिससे सभी वर्गों के विकास का रास्ता खुला है।

मोकामा में 300 लोगों का गांव टापू में तब्दील, नाव के सहारे पर ही हैं लोग

एजेंसी, पटना

मोकामा विधानसभा के कड़रा गांव में स्थित रविदास टोला एक टापू में तब्दील हो गया है। करीब 300 लोगों की आबादी वाली इस बस्ती तक पहुंचने के लिए कोई सड़क नहीं है। बारिश के मौसम में यह बस्ती पूरी तरह से बाढ़ के पानी से घिर जाती है। सरकार ने ग्रामीणों के लिए एक नाव की व्यवस्था की है। महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग और बीमार लोग इसी नाव से यात्रा करते हैं। अन्य ग्रामीणों को पानी में तैरकर आना-जाना पड़ता है।

कंटीले तारों में फंसकर घायल हो रहे हैं लोगः बाढ़ के दौरान लोगों को कई गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ता है। खेतों में लगे कंटीले तारों में फंसकर लोग घायल हो जाते हैं। बाढ़ के पानी के साथ सांप और बिच्छू भी घरों में घुस आते हैं। बीमार लोगों को कंधों पर लादकर अस्पताल ले जाना पड़ता है। कई मरीज अस्पताल पहुंचने से पहले ही दम तोड़ देते हैं।

सड़क निर्माण के लिए कर रहा संघर्षः ग्रामीणों का आरोप है कि गांव के कुछ दबंग लोगों ने जमीन नहीं देने के कारण सड़क का निर्माण नहीं हो पा रहा है। स्थानीय लोग कई दशकों से सड़क निर्माण के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री कार्यालय से लेकर स्थानीय

घरों में घुस रहा सांप-बिच्छू

अधिकारियों तक अपनी समस्या रखी है। लेकिन, केवल आश्वासन ही मिले हैं। पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को इस संबंध में लिखित शिकायतें भी दी जा चुकी हैं। वहीं, रविवार को बाढ़ का पानी से हो रही परेशानियों का जायजा लेने एसडीएम चंदन कुमार घोसवरी पहुंचे। वहां उन्होंने कई गांव का निरीक्षण किया। कड़रा गांव के रविदास समाज ने मिलकर अपनी समस्याओ को रखा। एसडीएम चंदन कुमार ने जानकारी दी कि गांव में सूखा राशन, पॉलिथीन और नाव जैसी मूलभूत सामग्री उपलब्ध कराया गया है। सड़क की मांग की जा रही है। पानी निकलने के बाद इसको लेकर विभाग को अवगत कराया जाएगा।

बीमार होने पर बढ़ जाती है दिक्कतेंः रवि रंजन यादव ने कहा कि महादलित खुद को गुलाम जैसा महसूस कर रहे हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कहते हैं वह दलित का सम्मान करते हैं और सम्मान आपके सामने है। आधी रात्रि को अगर कोई बीमार होता है तो क्या परेशानी होती होगी, जाति विशेष के लोग इस सड़क को बनने नहीं दे रहे हैं। सुजीत कुमार दास ने कहा कि उनके पूर्वज कई पीढी से यहां बसे हैं लेकिन आज तक रास्ता नहीं बना है। शादी विवाह में बरतुहार लौट जाते हैं। यहां कन्या विद्यालय, प्राथमिक विद्यालय और आंगनबाड़ी भी है लेकिन बारिश के दिनों में बंद हो जाता है। जिससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है सालों भर परेशानी होती है।

चुनाव में वोट बहिष्कार की धमकीः इंद्रजीत कुमार ने कहा कि जितने भी जनप्रतिनिधि और संबंधित पदाधिकारी है, सभी को आवेदन दिया जा चुका है। अनंत सिंह की पत्नी विधायक हैं। लेकिन उन्होंने यह काम नहीं किया है। जनप्रतिनिधि सिर्फ आश्वासन दे रहे हैं। डीएम ने क्रय नीति के तहत सड़क बनाने को लेकर फरमान जारी किया था। अगर सड़क नहीं बनती है तो वह विधानसभा चुनाव में वोट बहिष्कार करेंगे। बच्चों की पढ़ाई लिखाई प्रभावित है वही लोग मजदूरी करने भी नहीं जा पा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

ससुराल में सास, साला और साली पर चाकू से हमला, उपचार के दौरान सास की मौत

बीएनएम@ मोतिहारी। हरसिद्धि प्रखंड के पैठान पट्टी गाँव में रविवार को ससुराल आए एक युवक ने पारिवारिक विवाद को लेकर सास, साला और साली पर चाकू से हमला कर दिया। इस घटना में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। शोर सुनकर पहुंचे स्थानीय ग्रामीणों ने हमलावर युवक को पकड़ लिया और उसे तत्काल पुलिस के हवाले कर दिया। मामले में घायल सभी को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया, लेकिन घायल सास की हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने मोतिहारी रेफर कर दिया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतका की पहचान पैठान पट्टी निवासी बुधन साह की पत्नी रमनी देवी के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आरोपी युवक अपनी पत्नी से किसी बात को लेकर विवाद के बाद गुस्से में आ गया और उसने अचानक चाकू निकालकर अपनी पत्नी, सास और साली पर हमला कर दिया। हमले के दौरान घर में चीख-पुकार मच गई। आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण घटनास्थल पर पहुँचे और आरोपी को काबू में कर लिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि घायल साला और साली का इलाज जारी है, जबकि आरोपी से पूछताछ की जा रही है। उन्होंने कहा कि मामले की गंभीरता को देखते हुए पूरी घटना की बारीकी से जांच की जा रही है। घटना के बाद गाँव में डर और आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों ने आरोपित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और सख्त सजा की माँग की है।

19 अगस्त को तुरकौलिया आएंगे तुषार गांधी, गांधी घाट पर होगा अभिनंदन समारोह

बीएनएम@ तुरकौलिया। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के प्रपौत्र तुषार गांधी का एक बार फिर तुरकौलिया आगमन होने जा रहा है। 19 अगस्त को वे तुरकौलिया पहुंचेंगे, जहां गांधी जन संघर्ष मोर्चा के तत्वावधान में गांधी घाट के समीप भव्य अभिनंदन समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान तुषार गांधी का स्वागत किया जाएगा, जिसके बाद वे एक विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। मोर्चा के सदस्यों ने बताया कि कार्यक्रम को लेकर क्षेत्र के लोगों में काफी उत्साह है। जनसभा में अंग्रेजी शासनकाल में नीलहा कोठी से किसानों को मिली जमीन के मुद्दे पर चर्चा होगी। बताया गया कि वर्तमान सरकार उस जमीन को किसानों से छीनने की कोशिश कर रही है। इसके साथ ही गांधी पुस्तकालय निर्माण तथा बापू की जान बचाने वाले बतख मियां की प्रतिमा स्थापना की आवश्यकता पर भी जोर दिया जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए लगातार तैयारियां की जा रही हैं। प्रचार-प्रसार के लिए माइकिंग की जा रही है और कार्यक्रम स्थल पर बड़े-बड़े स्वागत द्वार बनाए जा रहे हैं। जिला सहित मुजफ्फरपुर और बेतिया से बड़ी संख्या में लोगों के कार्यक्रम में शामिल होने की उम्मीद है। तुषार गांधी की टीम के सदस्यों ने भी कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया है। निर्माणाधीन पंडाल व मंच को देखकर संतोष व्यक्त किया गया। मौसम को ध्यान में रखते हुए पंडाल तैयार किया जा रहा है ताकि खराब मौसम की स्थिति में भी कार्यक्रम निर्बाध रूप से चल सके।

तुरकौलिया में छापेमारी, शराब तस्कर सहित सात गिरफ्तार

बीएनएम@ तुरकौलिया। स्थानीय पुलिस ने गुरुवार को अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर एक शराब तस्कर सहित कुल सात लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की गुप्त सूचना के आधार पर असर्फी साह टोला निवासी रामचंद्र पासवान को 4 लीटर देशी चुलाई शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा तुरकौलिया चौक पर शराब पीकर हंगामा कर रहे बभनौलिया गांव के मुनीब साह को भी पकड़ा गया। ब्रेथ एनालाइजर जांच में शराब सेवन की पुष्टि हुई है। इधर जयसिंहपुर चिलराव और बसवरिया टोला में चलाए गए सघन अभियान के दौरान कोर्ट वारंटी दिनेश साह, कारी साह, भगवान साह, नंदकिशोर साह और ललन साह को गिरफ्तार किया गया। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि शराब एवं अन्य मामलों में एफआईआर दर्ज कर सभी सातों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

शादी का झांसा देकर नाबालिग को नेपाल ले जाने की कोशिश, रक्सौल बॉर्डर पर चार गिरफ्तार

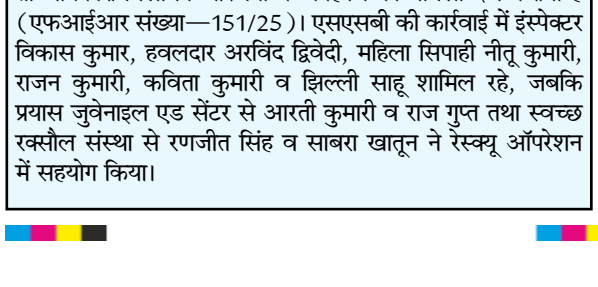

बीएनएम@ रक्सौल। मानव तस्करी रोधी इकाई (47वीं वाहिनी एसएसबी) ने रक्सौल स्थित मैत्री ब्रिज के पास नेपाल से भारत की ओर आ रहे चार युवकों को एक नाबालिग लड़की के साथ संदेह के आधार पर पकड़ लिया। इकाई के प्रभारी इंस्पेक्टर विकास कुमार द्वारा पूछताछ और प्रयास जुवेनाइल एड सेंटर व स्वच्छ रक्सौल संस्था द्वारा की गई काउंसलिंग के दौरान पता चला कि लड़की सीतामढ़ी जिले की रहने वाली है, जबकि चारों युवक पटना के निवासी हैं। जांच में सामने आया कि मोहम्मद शाहिद अंसारी ने सोशल मीडिया के माध्यम से नाबालिग लड़की को प्रेम जाल में फंसाया और शादी का झांसा देकर अपने साथ नेपाल ले गया। उसने अपने दोस्तों—मोहम्मद साहिल अंसारी, गोलू अंसारी और सुभान अंसारी—के साथ मिलकर लड़की को काठमांडू ले जाने की योजना बनाई। वहां सभी ने आठ दिनों तक किराए के मकान में रुकर लड़की को गुमराह करते रहे। शाहिद ने लड़की से शादी का वादा किया था, लेकिन लगातार बहला-फुसलाकर टालता रहा। बाद में भारत आकर शादी करने की बात कहकर चारों युवक उसे पटना ले जाने की फिराक में थे। इस दौरान मानव तस्करी रोधी इकाई ने लड़की के परिजनों व बेलसंड थाना (सीतामढ़ी) से संपर्क किया, तो जानकारी मिली कि परिजनों ने अपहरण का मामला दर्ज कराया है (एफआईआर संख्या—151/25)। एसएसबी की कार्रवाई में इंस्पेक्टर विकास कुमार, हवलदार अरविंद द्विवेदी, महिला सिपाही नीतू कुमारी, राजन कुमारी, कविता कुमारी व झिल्ली साहू शामिल रहे, जबकि प्रयास जुवेनाइल एड सेंटर से आरती कुमारी व राज गुप्त तथा स्वच्छ रक्सौल संस्था से रणजीत सिंह व साबरा खातून ने रेस्क्यू ऑपरेशन में सहयोग किया।

मोबाइल ई.वी.एम. डेमॉस्ट्रेशन वैन के माध्यम से मतदाताओं में जागरूकता बढ़ाने का अभियान

बीएनएम@ मोतिहारी

भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली के निर्देश के आलोक में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी बिहार के कार्यालय द्वारा राज्य के सभी जिलों में स्थित प्रत्येक मतदान भवनों (पीएसएल), निर्वाचक साक्षरता क्लबों आदि में मोबाइल डेमॉस्ट्रेशन वैन (एमडीवी) चलाने का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। यह कार्य राज्य के सभी जिलों में दिनांक 18.08.2025 से प्रारंभ होगा। इसका परिचालन राज्य के सभी 243 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के 48043 मतदान भवनों में किया जाएगा। इस कार्य हेतु कुल 318 एमडीवी चलाये जाने की योजना है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप इस कार्यक्रम में आंशिक परिवर्तन कर सकते हैं। 01 माह के अंदर सभी प्रदर्शन का कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचन की तिथि घोषित करने के तुरंत बाद यह प्रदर्शन रोक दिया जाएगा। मोबाइल डेमॉस्ट्रेशन वैन का मुख्य उद्देश्य आम जनता को ई.वी.एम. और वी.वी.पैट के प्रयोग एवं कार्यप्रणाली से प्रत्यक्ष रूप से परिचित कराना है, ताकि मतदान प्रक्रिया को लेकर किसी प्रकार की भ्रांतियां दूर हों और मतदाता आत्मविश्वास के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। इस पहल का एक विशेष उद्देश्य प्रथम बार मतदान करने वाले युवाओं, महिलाओं एवं वरिष्ठ नागरिकों को मतदान प्रक्रिया में सहजता प्रदान करना है। अनेक बार देखा गया है कि तकनीकी प्रक्रिया की जानकारी न होने के कारण मतदाता मतदान केंद्र पर संकोच महसूस करते हैं। इस वैन के माध्यम से उन्हें पहले ही प्रायोगिक अनुभव मिल जाएगा, जिससे मतदान दिवस पर वे बिना किसी झिझक के मतदान कर पाएंगे। इस वैन में प्रशिक्षित कर्मी उपलब्ध रहेंगे, जो लोगों को ई.वी.एम. के बटन दबाने से लेकर वी.वी.पैट स्लिप देखने तक की पूरी प्रक्रिया का लाइव डेमॉस्ट्रेशन देंगे। इसके अलावा नागरिकों के प्रश्नों के उत्तर भी मौके पर दिए जाएंगे। वैन में ऑडियो-विजुअल सामग्री, पोस्टर एवं बैनर के माध्यम से भी मतदान से जुड़ी जानकारी प्रदान की जाएगी। इसके मार्ग एवं समय की सूचना समय-समय पर जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा जारी की जाएगी। विदित हो कि राज्य के सभी जिलों/अनुमण्डल कार्यालयों में 100 ई.वी.एम. डेमॉस्ट्रेषन सेन्टर स्थापित किये गये है। जहाँ अब तक 39871 लोगों ने अब तक भ्रमण कर ई.वी.एम. के संबंध में जानकारी प्राप्त की गयी है। इनमें से 37918 लोगों द्वारा माक वोट डालकर मतदान का पूर्वाभ्यास किया गया है। निर्वाचन आयोग का मानना है कि ई.वी.एम. एवं वी.वी.पैट की पारदर्शी और सुरक्षित प्रणाली के बारे में अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करना, मतदान प्रतिशत बढ़ाने और निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

एसएसबी को बड़ी कामयाबी, 15.600 किलोग्राम गांजा बरामद

बीएनएम@ मोतिहारी

7171 वाहिनी एसएसबी मोतिहारी की "ई" समवाय बरहरवा सीमा चौकी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सीमा स्तंभ संख्या 362/18 के समीप चलाए गए विशेष अभियान में बड़ी सफलता मिली है। गुप्त सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में 15.600 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया है। कमांडेंट प्रफुल्ल कुमार के निर्देश पर एसआई रामकृष्ण ओझा के नेतृत्व में नाका पार्टी ने बीओपी झांझरा से तस्कर की पकड़ के लिए शुक्रवार भोर में अभियान शुरू किया। टीम निर्धारित स्थान पर पहुंचकर नेपाल से भारतीय सीमा की ओर आने वाले रास्ते पर नजर रख रही थी। कुछ घंटों बाद एक व्यक्ति पीठ पर बैग लेकर नेपाल की ओर से भारतीय सीमा में प्रवेश करता दिखाई दिया। टीम ने जब उसे पकड़ने की कोशिश की तो वह अपना बैग वहीं छोड़ कर झाड़ियों का सहारा लेकर नेपाल की ओर भाग गया। बाद में तलाशी के दौरान वहां से एक जूट का बैग मिला, जिसे खोलने पर उसके अंदर हरे व लाल रंग की पॉलीथिन से ढका गांजा का बंडल बरामद हुआ। ड्रग डिटेक्शन किट से जांच करने पर बंडल में गांजा पाया गया, जिसका कुल वजन 15.600 किलोग्राम निकला। जब्त गांजा को आगे की कार्रवाई के लिए जितना थाना को सौंप दिया गया है। एसएसबी की इस कार्रवाई से सीमा क्षेत्र में नशीले पदार्थों की तस्करी करने वालों में हड़कंप है।

राहुल–तेजस्वी की 'वोटर अधिकार यात्रा' 28 अगस्त को, महागठबंधन ने झोंकी ताकत

बीएनएम@ मोतिहारी

महागठबंधन की 'वोटर अधिकार यात्रा' आगामी 28 अगस्त को मोतिहारी से आरंभ होगी, जिसका नेतृत्व कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राजद नेता तेजस्वी यादव करेंगे। गठबंधन नेताओं का दावा है कि इस रैली में 5 लाख से अधिक लोग शामिल होंगे। इसी को लेकर शनिवार को राजद जिलाध्यक्ष मनोज यादव की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इसमें कांग्रेस, राजद और वीआईपी के जिलाध्यक्षों के साथ-साथ विधायक, पूर्व विधायक और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक में यात्रा को सफल बनाने के लिए विस्तृत रणनीति बनाई गई। कांग्रेस जिलाध्यक्ष शशिभूषण राय ने कहा कि यह सिर्फ एक राजनीतिक यात्रा नहीं, बल्कि बिहार के भविष्य की दिशा तय करने वाला बड़ा आंदोलन है। उन्होंने कहा कि चंपारण से यात्रा की शुरुआत होना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह महात्मा गांधी की कर्मभूमि रही है। राजद जिलाध्यक्ष मनोज यादव ने कहा कि लालू प्रसाद यादव हमेशा गरीबों और वंचितों की आवाज रहे हैं, और वही विचार इस यात्रा के माध्यम से एक बार फिर जनता तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि रैली को लेकर भाजपा में बेचैनी साफ दिखाई दे रही है। महागठबंधन की यह यात्रा सामाजिक न्याय, बेरोजगारी, महंगाई और लोकतांत्रिक अधिकारों जैसे अहम मुद्दों को लेकर जनता को जागरूक करेगी। गठबंधन नेताओं का मानना है कि इस अभियान से जनता में नई उम्मीद और विश्वास का संचार होगा, और यह यात्रा 2025 विधानसभा चुनाव की तैयारी का भी अहम हिस्सा है।

57.09 लाख की लागत से हो रही मुख्य सड़कों की मरम्मत, तय समय सीमा में गुणवत्ता सुनिश्चित करने का निर्देश

बीएनएम@ बेतिया

नगर निगम के सघन शहरी क्षेत्र की जर्जर मुख्य सड़कों के मरम्मत कार्य का महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि आम लोगों के सुगम आवागमन को ध्यान में रखते हुए सभी मुख्य सड़कों को मोटरेबल बनाने की दिशा में निगम गंभीरता से कार्य कर रहा है। इस मद में आधे दर्जन सड़क मरम्मत योजनाओं को निगम बोर्ड से स्वीकृति मिली है, जिन पर कुल 57.09 लाख रुपये खर्च किए जा रहे हैं। महापौर ने राजगुरू चौक से काली बाग मंदिर गेट होते हुए काली बाग थाना तक तथा काली बाग मंदिर गेट से जोड़ा ईनार चौक होते हुए किशुन बाग चौक तक बनने वाली सड़कों के मरम्मत कार्य का निरीक्षण किया। इन दोनों कार्यों पर कुल 12,77,600 रुपये खर्च होंगे। इसके अलावा उन्होंने जनता सिनेमा चौक से नेपाली चौक तक 2,41,900 रुपये की लागत से हो रहे मरम्मत कार्य का भी जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान महापौर ने संवेदकों को निर्देश दिया कि सभी स्वीकृत योजनाओं को निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करें।

अन्य स्वीकृत योजनाओं की जानकारी देते हुए महापौर ने बताया कि –

- तीन लालटेन चौक से संत तरेस गेट व द्वारदेवी चौक होते हुए नन्दलाल पुल तक सड़क मरम्मत पर 12,41,900 रुपये,
- इलमराम चौक से द्वारदेवी चौक तक 4,13,600 रुपये,
- इलमराम चौक से नाजनी चौक होते हुए खुदाबख्श चौक तक के मरम्मत पर 14,27,600 रुपये तथा

तीन लालटेन चौक से जोड़ा शिवालय मंदिर, मयूर वस्त्रालय से हजारीमल धर्मशाला गेट, तीन लालटेन चौक से चर्च होते हुए राजगुरू चौक एवं सोवा बाबू चौक से लाल बाजार चौक होते हुए आदित्य गारमेंट दुकान तक की सड़कों के मरम्मत पर कुल 11,07,000 रुपये व्यय होंगे। महापौर ने यह भी बताया कि सघन शहरी क्षेत्र की चिन्हित खस्ताहाल सड़कों को मोटरेबल बनाने पर कुल 57,09,600 रुपये की लागत आएगी तथा सभी कार्यों की मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जा रही है।

चार थानाध्यक्षों का तबादला, एसपी ने जारी किया आदेश

सुनील कुमार बनाये गए छतौनी के नए थानाध्यक्ष

बीएनएम@ मोतिहारी

पुलिस कप्तान स्वर्ण प्रभात ने थाना प्रभारियों के तबादले को लेकर आदेश जारी किया है। तुरकौलिया थानाध्यक्ष सुनील कुमार को छतौनी थाना का नया थानाध्यक्ष बनाया गया है। सुनील कुमार इससे पहले तुरकौलिया और पीपरा थाना का भी सफल संचालन कर चुके हैं। वहीं दरपा थाना के थानाध्यक्ष उमा शंकर को तुरकौलिया थाना का नया थानाध्यक्ष बनाया गया है। कोटवा के अपर थानाध्यक्ष कुमार सौरभ को राजेपुर थाना की कमान सौंपी गई है। मुफस्सिल थाना में पदस्थापित दारोगा अनीष कुमार को दरपा थाना का नया थानाध्यक्ष बनाया गया है। एसपी द्वारा जारी पत्र के अनुसार सभी अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से पदभार ग्रहण करने का निर्देश दिया गया है।

राजस्व महाअभियान के तहत पूर्वी सुंदरापुर एवं ढेकहा पंचायत का अपर समाहर्ता ने किया निरीक्षण

लापरवाह कर्मियों पर जताई नाराज़गी

बीएनएम@ मोतिहारी

जिले के केसरिया प्रखंड में राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता वाले राजस्व महा अभियान के तहत शुक्रवार को अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिंहा ने केसरिया अंचल के पूर्वी सुंदरापुर एवं ढेकहा पंचायतों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने रैयतों के बीच जमाबंदी पंजी एवं इंडेक्स वितरित करते हुए अभियान के तहत किए जा रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी साझा की। पूर्वी सुंदरापुर पंचायत केन्द्र पर राजस्व कर्मचारी सहित सभी प्रतिनियुक्त कर्मी उपस्थित मिले। वहीं, ढेकहा पंचायत में सिर्फ राजस्व कर्मी ही मौजूद पाए गए जबकि अन्य चार सहयोगी कर्मी अनुपस्थित रहे। इस लापरवाही पर नाराजगी व्यक्त करते हुए अपर समाहर्ता ने अंचल अधिकारी केसरिया को अनुपस्थित कर्मियों से स्पष्टीकरण प्राप्त करने एवं उनका वेतन स्थगित करने की दिशा में कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि यह अभियान राज्य सरकार की अत्यंत महत्वाकांक्षी योजना है और इसमें किसी भी स्तर पर शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जायेगी। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि जहां भी कमी पाई जाएगी, वहां कठोर कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के बाद अपर समाहर्ता के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने ढेकहा पंचायत स्थित बांध का भी जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान बांध को पूरी तरह सुरक्षित पाया गया। इस अवसर पर डीसीएलआर चकिया प्रकाश कुमार रजक एवं अंचल अधिकारी केसरिया भी उपस्थित थे।

कुख्यात भूमाफिया सुधीर श्रीवास्तव गिरफ्तार, अवैध संपत्ति की होगी जांच

बीएनएम@ मोतिहारी

एसपी स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर मुफस्सिल थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए फरार चल रहे 15 हजार के इनामी भूमाफिया सुधीर श्रीवास्तव को गिरफ्तार कर लिया है। उस पर जबरन जमीन कब्जा करने सहित एक दर्जन से अधिक मामले पहले से दर्ज हैं। गौरतलब है कि 23 जुलाई को एसपी ने सुधीर श्रीवास्तव पर 15 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने शुक्रवार देर रात उसे दबोच लिया। एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि गिरफ्तार भूमाफिया की अवैध रूप से अर्जित संपत्तियों की जांच के लिए निर्देश जारी कर दिए गए हैं। जांच के बाद अवैध संपत्ति जब्त करने की कार्रवाई की जाएगी। गिरफ्तार सुधीर श्रीवास्तव (पिता—हरिहर प्रसाद) गोपालपुर, थाना नगर, जिला पूर्वी चंपारण का रहने वाला है। उसके खिलाफ नगर थाना, मुफस्सिल थाना और छतौनी थाना में कई गंभीर धाराओं के तहत मामले दर्ज हैं। इसके अलावा कोर्ट में भी तीन मामलों में वह आरोपी है। सबसे पहला मामला वर्ष 2015 का है, जिसमें संग्रामपुर निवासी सुभाष सिंह ने जमीन के एवज में लाखों रुपये देने के बाद भी धोखाधड़ी का आरोप लगाया था। सुभाष सिंह को अभी तक न्याय नहीं मिला है। पुलिस ने कहा कि मामले की तह तक जांच कर पूरी अवैध संपत्ति को चिन्हित किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

जमीनी विवाद में एक ही परिवार के 6 लोग घायल

बीएनएम@ सहरसा। सिमरी बख्तियारपुर अनुमंडल क्षेत्र के बगरौली गांव वार्ड संख्या 5 में सोमवार को जमीनी विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। विवाद में एक ही परिवार के छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों का इलाज सहरसा सदर अस्पताल में चल रहा है।घायलों

की पहचान 70 वर्षीय देवेंद्र दास, 50 वर्षीय भरत दास, 40 वर्षीय अमेरिका देवी, 21 वर्षीय रवीन कुमार, 35 वर्षीय कविता देवी और 40 वर्षीय गायत्री देवी के रूप में हुई है। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि पड़ोसी अशोक दास, अरविंद दास और दीपक कुमार समेत कई लोग उनके घर में घुस आए और तोड़फोड़ शुरू कर दी।भरत दास ने बताया कि विरोध करने पर आरोपियों ने बुजुर्ग देवेंद्र दास पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया। बचाने पहुंची अमेरिका देवी के साथ भी दुर्व्यवहार किया गया। आरोप है कि दीपक कुमार ने उन्हें बाल पकड़कर जमीन पर पटका और साड़ी का पल्लू खींचकर अपमानित किया। इसी दौरान उनके गले से एक लाख रुपए की सोने की चेन भी छीन ली गई। आरोपियों ने कविता देवी और गायत्री देवी के साथ भी मारपीट की तथा पूरे परिवार को जान से मारने और घर में आग लगाने की धमकी दी। इतना ही नहीं, जब घायल परिवार इलाज के लिए ई-रिक्शा से अस्पताल जा रहा था, तब भी आरोपियों ने रास्ते में उन्हें रोककर हमला करने की कोशिश की। ग्रामीणों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। सिमरी बख्तियारपुर थानाध्यक्ष अमरनाथ ने बताया कि पीड़ित पक्ष की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और मामले की जांच की जा रही है।

कुख्यात अपराधी रामा यादव गिरफ्तार

बीएनएम@ बगहा : बगहा पुलिस जिले के चौतरवा थाना ने रविवार रात छापेमारी कर कोर्ट के स्थायी वारंटी और अपने जमाने के कुख्यात अपराधी रामा यादव को भैरोगंज थाना क्षेत्र के हरपुर गांव से गिरफ्तार किया है।चौतरवा थानाध्यक्ष राहुल सिंह के अनुसार, रामा यादव ने अपना नाम बदलकर झाम लाल यादव कर लिया था और पुलिस से छिपकर रह रहा था। वह अपने पुराने आपराधिक मामलों के कारण फरार था, जिसके लिए कोर्ट ने स्थायी वारंट जारी किया था।यह भी पता

चला है कि रामा यादव पहले बगहा के तत्कालीन एसपी मो. सफीउल हक के सामने आत्मसमर्पण करके अपराध की दुनिया से बाहर आया था। जेल से रिहा होने के बाद, वह खेती-किसानी कर रहा था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर सोमवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

दो शराब धंधेबाज गिरफ्तार

बीएनएम@ बगहा: बगहा पुलिस जिला के उत्पाद विभाग की टीम शराब धंधेबाजों के विरुद्ध काफी सख्त है। सोमवार की सुबह उत्पाद विभाग बगहा के नवागत थानाध्यक्ष सह पुलिस इन्स्पेक्टर प्रमोद कुमार के नेतृत्व में धनहा गौतम बुद्ध सेतु के 42 नंबर पिलर के समीप चेक पोस्ट से 292 लीटर अंग्रेजी शराब के साथ दो शराब धंधेबाजों को गिरफ्तार किया है। विदेशी शराब की खेप को यूपी से कार में छुपाकर लाई जा रही थी। उत्पाद निरीक्षक ने बताया कि सोमवार की सुबह धनहा पुल स्थित उत्पाद चेकपोस्ट पर वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा था। उसी क्रम में धनहा के तरफ से आ रही एक्सयूवी कार को रोककर जांच की गई। जांच के दौरान कार से भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद की गई। उन्होंने बताया कि एक्सयूवी कार से 34 कार्टन शराब बरामद किया गया। जिसमें आफिसर च्वाईस, डार्क ब्लु, मैजिक मोमेंट, रायल स्टेज आदि अंग्रेजी शराब शामिल है। शराब की कुल मात्रा 292 लीटर है। कार में चालक समेत दो लोग सवार थे। जिनकी पहचान हाजीपुर थाना क्षेत्र के थाथन बुजुर्ग निवासी मुन्ना कुमार व असासरपुर निवासी निखिल कुमार के रूप में हुई है। उत्पाद थाना की पुलिस मामले में अन्य तार खंगालने में जुटी हुई है। इस अभियान में चेक पोस्ट पर तैनात एएसआई तारनी प्रसाद, एएस आई भगतान शर्मा पुलिस जवान हाशिम आलम, अमित कुमार सहित अन्य शामिल थे ।

18 अगस्त भारतीय इतिहास का एक अनूठा और प्रेरक अध्यायः प्रो.गौरी शंकर

बीएनएम@ जमुई। भारत में जहां 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाता है, वहीं पश्चिम बंगाल के नदिया और मालदा जिले के कुछ हिस्सों में 18 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस मनाने की परंपरा है। इस ऐतिहासिक तथ्य पर जमुई में एक परिचर्चा हुई, जिसकी अध्यक्षता वरिष्ठ अधिवक्ता प्रभात कुमार भगत ने की। डॉ. गौरी शंकर पासवान ने बताया कि 1947 में सर रेडक्लिफ द्वारा सीमा निर्धारण के कारण नदिया और मालदा के कुछ हिंदू बाहुल्य क्षेत्र पाकिस्तान में चले गए थे। स्थानीय विरोध के बाद लॉर्ड माउंटबेटन के निर्देश पर 17 अगस्त 1947 की मध्यरात्रि को इन क्षेत्रों को भारत में शामिल किया गया और 18 अगस्त को तिरंगा फहराकर स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। उन्होंने सुझाव दिया कि इसे बंगाल का द्वितीय स्वतंत्रता दिवस माना जाए। वरिष्ठ अधिवक्ता रामचंद्र रवि ने इसे ऐतिहासिक विसंगति बताते हुए सरकार से इसे सुधारने की मांग की। 1991 में अंजन शुकुल के प्रयासों से नदिया में 18 अगस्त को झंडा फहराने की अनुमति मिली, और 1998 में गठित 18 अगस्त समिति के बाद यह परंपरा नियमित हो गई। परिचर्चा में इस ऐतिहासिक तथ्य को नई पीढ़ी तक पहुंचाने और राष्ट्रीय एकता पर बल देने की बात उठी।

शराब से लदी कार जब्त, शराब हुआ

बीएनएम@ जमुई / झाझा। झारखंड दिशा से कार में छिपाकर लाए जा रहे विदेशी शराब को गुप्त सूचना के आधार पर कार समेत जब्त किया। हालांकि शराब तस्कर वाहन छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहा। जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष संजय सिंह ने बताया कि पुलिस

को गुप्त सूचना मिली कि सफेद रंग की कार से शराब लाया जा रहा है जिसके पुअनि दीपक कुमार को आदेश देने पर उक्त कार को सतीघाट के पास से जब्त किया गया। पुअनि के द्वारा इस मामले में प्राथमिकी दर्ज करवाया है जिसमे उन्होंने बताया कि झाझा रेलवे स्टेशन से तेजी गति से उजला रंग का टाटा पंच गाड़ी गुजर रही है जिसे रोकने की कोशिश करते हुए पीछा किया तो सतीघाट पुल से 100 मीटर दूरी पर वाहन में सवार लोग वाहन छोड़कर रात्रि का फायदा उठाकर भाग निकला जिसके बाद वाहन की तलाशी लेने पर डिक्की से भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद हुआ जिसकीं गिनती करने पर कुल 168 बोतल शराब यानि कुल 63 लीटर शराब पाया गया। वही वाहन की जांच करने पर कुछ कागजात मिला जिससे प्रतीत हुआ कि थानाक्षेत्र के चितोचक क्षेत्र के रहने वाले लालजीत प्रसाद राम का है जिसे उसका बेटा अनूप कुमार चलाता है। इस संदर्भ में लालजीत, अनूप के अलावे प्रेम कुमार, वाहन मालिक व चालक के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज हुई जिसके बाद उक्त लोगों के खिलाफ पुलिस आगे की कार्रवाई करने में जुट गयी है ।

ईवीएम-वीवीपैट जागरूकता को लेकर डीएम ने मोबाइल डेमो वैन को दिखाईं हरी झंडी

चुनाव में पारदर्शिता और मतदाताओं में विश्वास जगाना उद्देश्यः डीएम

» जमुई में मतदाता जागरूकता अभियान शुरू

बीएनएम@ जमुई

जमुई आगामी विधानसभा चुनाव से पहले मतदाताओं को जागरूक करने के लिए जमुई के जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने ईवीएम-वीवीपैट जागरूकता अभियान की शुरुआत की है।मोबाइल डेमो वैनः 18 अगस्त से 5 सितंबर, 2025 तक चलने वाले इस अभियान के लिए 8 मोबाइल डेमो वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया है।लक्ष्यः इन वैन का मुख्य उद्देश्य पहली बार वोट करने वाले युवाओं, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों सहित सभी मतदाताओं को ईवीएम और वीवीपैट के सही उपयोग के बारे में जानकारी देना है।कवरेजः यह अभियान जमुई जिले के चारों विधानसभा क्षेत्रों—सिकंदरा, जमुई, झाझा, और चकाई—के 967 मतदान केंद्रों को कवर करेगा।स्थायी केंद्रः मोबाइल वैन के अलावा, जमुई सदर अनुमंडल कार्यालय में भी एक स्थायी ईवीएम डेमोंस्ट्रेशन सेंटर स्थापित किया गया है। यहाँ अब तक 5100 से अधिक लोगों ने जानकारी ली है और 503 ने मॉक वोट भी डाले हैं। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता और पारदर्शिता को बढ़ाना है। यह अभियान मतदाता सहभागिता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त सुगम कुमार, अपर समाहर्ता रविकांत सिंह और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

जमुई में झंडी दिखाकर मोबाइल डेमो वैन को रवाना करते डीएम एवं अन्य

सहरसा में भव्य कलश यात्रा

बीएनएम@ सहरसा

शहर के बड़ी दुर्गा मंदिर प्रांगण से सोमवार को श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ को लेकर भव्य कलश यात्रा निकाली गई। इस यात्रा में 501 महिला और युवतियों ने सिर पर पवित्र कलश लेकर भाग लिया। पूरे मार्ग में श्रद्धा और भक्ति का माहौल दिखाई दिया। कलश यात्रा बड़ी दुर्गा मंदिर से प्रारंभ होकर शंकर चौक, डीबी रोड, थाना चौक, गांधी पथ, दहलान चौक, धर्मशाला रोड होते हुए महावीर चौक से पुनः बड़ी दुर्गा मंदिर प्रांगण में संपन्न हुई। रास्ते भर महिलाओं की लंबी कतारें भक्ति गीत गाती हुई चल रही थीं, वहीं नगरवासियों ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया।कार्यक्रम संघ के अध्यक्ष नवीन कुमार सिंह ने बताया कि 18 अगस्त से 25 अगस्त तक प्रतिदिन श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन होगा। कथा का वाचन वृंदावन से आईं देवी पूर्णिमा गार्गी करेंगी। कथा प्रतिदिन शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक होगी।उन्होंने कहा कि यह आयोजन समाज में धार्मिकता, संस्कृति और सामाजिक समरसता को मजबूत करने का एक प्रयास है। आयोजन समिति ने श्रद्धालुओं से परिवार सहित कथा श्रवण कर पुण्य लाभ प्राप्त करने की अपील की है।भव्य कलश यात्रा में शामिल बड़ी संख्या में महिलाओं के सिर पर कलश सजाए दृश्य आकर्षण का केंद्र बने रहे। पूरे नगर में भक्तिमय माहौल के बीच यह आयोजन लोगों की आस्था और एकजुटता का प्रतीक बन गया।

सहरसा कलश यात्रा में शामिल श्रद्धालु

देश और बिहार को लूटने वाले अब साथ यात्रा पर निकले हैं : नितिन नवीन

बीएनएम@ पटना

महागठबंधन की वोट अधिकार यात्रा को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। बिहार सरकार में पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन ने राहुल गांधी, लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि परिवारवाद और भ्रष्टाचार की राजनीति करने वाले दल अब जनता का विश्वास खो चुके हैं और संविधान की दुहाई देकर लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं।नितिन नवीन ने कहा कि कांग्रेस और राजद को अब समझ में आ गया है कि बिहार में उनकी दाल गलने वाली नहीं है। चाहे वे कितनी भी यात्राएँ कर लें या सभाएँ करें, जनता ने तय कर लिया है कि अब उनके बहकावे में नहीं आना है। राहुल गांधी का यह बिहार दौरा गठबंधन की घबराहट को दिखाता

नितिन नविन,मंत्री

है। उन्होंने आरोप लगाया कि "एक ने देश को लूटा और एक ने बिहार को, आज दोनों सत्ता की भूख में मिलकर यात्रा कर रहे हैं।"उन्होंने चुनाव आयोग और भाजपा पर लगाए जा रहे आरोपों को पूरी तरह झूठा और निराधार बताया। मंत्री ने कहा कि हार के डर से विपक्ष चुनाव प्रक्रिया और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर सवाल उठाकर अपनी जमीन बचाने की कोशिश कर रहा है।लालू प्रसाद यादव पर निशाना साधते हुए नितिन नवीन ने कहा कि उनके शासन में बिहार भ्रष्टाचार, अपराध और जंगलराज का गढ़ बन गया था। लेकिन आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और एनडीए सरकार गरीबों, दलितों, पिछड़ों और किसानों के लिए ऐतिहासिक योजनाएं लागू कर रही है। चाहे वह मुफ्त राशन हो, आवास योजना, शौचालय निर्माण या सड़क और बुनियादी ढांचे का विकास।उन्होंने कहा कि बिहार की जनता अच्छी तरह समझती है कि कांग्रेस-राजद गठबंधन सिर्फ झूठे वादों और जातिगत राजनीति के सहारे अपनी डूबी हुई नैया पार करना चाहता है। लेकिन अब राज्य की जनता ठान चुकी है कि भ्रष्टाचार और परिवारवाद की राजनीति करने वालों को कभी सत्ता में वापसी नहीं करने देगी।

मलाही में मुर्गी फार्म की आड़ में चल रहा था शराब कारोबार, 1 गिरफ्तार

बीएनएम@ अरेराज

मलाही थाना पुलिस ने अवैध शराब कारोबार के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। गुप्त सूचना के आधार पर पंचरुखिया स्थित एक मुर्गी फार्म पर छापेमारी की गई, जहां से भारी मात्रा में देशी शराब बरामद हुई और एक व्यक्ति को रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। थानाध्यक्ष करण सिंह को सूचना मिली थी कि गुजरौलिया गांव निवासी मिथिलेश प्रसाद मुर्गी फार्म की आड़ में अवैध रूप से शराब का कारोबार कर रहा है। पुष्टि होने के बाद पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छापा मारा। छापेमारी के दौरान फार्म से 4 लीटर 'बंटी-बबली देशी लाइम शराब' और 25 लीटर 'देशी चुलाई शराब' बरामद की गई। मौके से आरोपी मिथिलेश प्रसाद को गिरफ्तार कर लिया गया। थानाध्यक्ष ने बताया

कि आरोपी के खिलाफ मलाही थाना कांड संख्या 271/25 के तहत बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम की धारा 30(a) में मुकदमा दर्ज करते हुए उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

बिहार राज्य आंगनबाड़ी कर्मचारी यूनियन एटक के बैनर तले की गई बैठक

बीएनएम@ जमुई / झाझा

बिहार राज्य आंगनबाड़ी कर्मचारी यूनियन एटक झाझा के बैनर तले झाझा परियोजना कमिटी की एक आवश्यक बैठक आहूत की गई जिसकी अध्यक्षता सुमित्रा यादव ने की। जिसमें मुख्य अतिथि जिला महासचिव अर्चना सहाय की गरिमा मय उपस्थिति में मुख्य प्रस्ताव प्रस्ताव पास किए गए। बिहार राज्य आंगनबाड़ी कर्मचारी यूनियन एटक झाझा कमिटी का विस्तारित किया गया। जिसमें अध्यक्ष सुमित्रा यादव, उपाध्यक्ष संजू कुमारी , रानी कुमारी (नगर) , महासचिव रेखा कुमारी वर्मा, सचिव सीमा कुमारी, गीता देवी (नगर), कोषाध्यक्ष कुशुम देवी को बनाया गया वहीं कार्यकारणी सदस्य (नगर) सिन्धु कुमारी , बीस पंचायत के हर पंचायत से एक कार्यकारणी सदस्य रखी गई है। वहीं पोषण ट्रेकर ऐप सेविका बहनों पर बिना मोबाईल फोन के थोपी गई। जिसका सर्वर हमेशा डाउन ही रहती है। सेविका चाह कर भी 100% कार्य नहीं कर पाती है। , एफआरएस सिस्टम बिना नई मोबाईल के कार्य करना बहुत अधिक कठिनाई हो रही है। लाभार्थी का आधार से मोबाइल लिंक नहीं रहना ओटीपी नहीं मिलने पर के वाई सी नहीं हो पाता है, और सेविका दोषी

जमुई बैठक में उपस्थित आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ के सदस्य

मानी जाती है। सेविका द्वारा सरकार तथा विभाग से नई मोबाईल जल्द उपलब्ध कराई जाए एक स्वर में मांग की गई। हर बात पर आंगनबाड़ी सेविका से दोहन नीति बन्द करने की मांग की गई है। इस विभाग में जिसके कंधे पर कुपोषण मुक्त भारत बनाने का भार दिया गया बह एक सेविका अल्प मानदेय कर्मी है जिसका मानदेय इतनी कमर तोड़ महंगाई में केन्द्र सरकार और राज्य सरकार मिलकर मात्र 7000/ हजार रूपये दे पाते हैं। बाकी चपरासी से पदाधिकारी तक सब सरकारी कर्मी है। इस योजना का प्रारम्भ 1975 में की गई लेकिन 50 वर्षों में मानदेय इतना कम क्यों । समझ से परे है। आज सरकार तथा विभाग द्वारा पोषण ट्रेकर ऐप जबरदस्ती थोपी गई। ऐप का सर्वर कभी ठीक नहीं रहती है।ऊपर से एफआरएस सिस्टम लागू कर दिया गया। जो भी गलती हो सेविका दोषी मानी जाती है। ये दुर्भाग्यपूर्ण है इत्यादि बहुत ज्वलंत मुद्दे हैं। मुख्य रूप से सेविकाओं ने भाग लिया। बैठक में संजू कुमारी, रेखा कुमारी, रानी कुमारी, रेखा वर्मा , गीता देवी ,सीमा कुमारी , कुसुम देवी , मीना कुमारी सहित दर्जनों सेविका सहायिका उपस्थित थी ।

दुर्गापूजा महोत्सव की तैयारी को लेकर बैठक आयोजित

जमुई में बैठक करते कमेटी सदस्य व स्थानीय लोग

बीएनएम@ जमुई / झाझा

रेलवे कॉलोनी स्थित रेलवे इंडियन इंस्टीट्यूट में रविवार की शाम दुर्गापूजा महोत्सव की तैयारियों को लेकर पूजा कमेटी की पहली बैठक हुई, जिसकी अध्यक्षता पूर्व स्वागताध्यक्ष सुभाष वर्मा ने की। बैठक में कोषाध्यक्ष राजीव कुमार रौशन ने वर्ष 2024 के महोत्सव से संबंधित आय-व्यय का ब्योरा प्रस्तुत किया। इसके बाद वर्ष 2025 की कमेटी गठन पर चर्चा हुई, जिसमें सर्वसम्मति से पूर्ववर्ती पदाधिकारियों को ही बनाए रखने का निर्णय लिया गया। अध्यक्ष विकास शर्मा, संयुक्त अध्यक्ष शुभम माथुरी, कार्यकारिणी अध्यक्ष ओमप्रकाश (आईओडब्ल्यू), उपाध्यक्ष रवि गुप्ता, सचिव नीलेश चौधरी तथा अन्य पदों पर भोलू ठाकुर, चंदन गुप्ता, प्रेम कुमार, विजय राव, रवि पासवान, बंटी पासवान, राकेश कुमार, राजेश वर्मा, सूरज कुमार व संतोष कुमार मनोनीत किए गए। अध्यक्ष व सचिव ने कहा कि इस वर्ष भी प्रशासन के सभी निर्देशों का पालन किया जाएगा। साथ ही अगली बैठक में नए इच्छुक सदस्यों को भी शामिल किया जाएगा। बैठक में बलराम मंडल, अमन, रवि, देवाशीष नचिकेता सहित कई लोग उपस्थित रहे।

मेहवा गांव में छापेमारी, 315 लीटर चुलाई शराब और दो बाइक बरामद

बीएनएम@ सुगौली

थाना क्षेत्र के मेहवा गांव में सोमवार को पुलिस ने छापेमारी कर भारी मात्रा में चुलाई शराब बरामद की है। इस दौरान मौके से 315 लीटर अवैध चुलाई शराब के साथ दो मोटरसाइकिल भी जब्त की गईं। हालांकि पुलिस के पहुंचने की भनक लगते ही सभी शराब कारोबारी फरार हो गए। थानाध्यक्ष अनीश कुमार सिंह ने बताया कि फरार कारोबारियों की पहचान कर ली गई है और उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई की जा रही है। बताते चलें कि मेहवा गांव क्षेत्र अवैध चुलाई शराब के उत्पादन के लिए काफ़ी बदनाम रहा है। पूर्व में भी इस इलाके में कई बार छापेमारी कर शराब बरामद की जा चुकी है, लेकिन इसके बावजूद अवैध

कारोबार पर पूरी तरह लगाम नहीं लगाई जा सकी है। सूत्रों की मानें तो गांव में शराब उत्पादन चेंवर इलाके में किया जाता है और कारोबार को निर्बाध रूप से चलाने के लिए शराब तस्करों ने एक मजबूत सूचना तंत्र भी विकसित कर रखा है। पुलिस की हलचल की जानकारी मिलते ही यह सूचना तंत्र तुरंत कारोबारी तक खबर पहुंचा देता है, जिससे वे मौके से भाग निकलते हैं। इसी तरह वितरण के दौरान भी मार्गों पर नजर रखने वाले लोग पुलिस गतिविधियों की जानकारी दे कर कैरियरों को सतर्क करते हैं, जिसके कारण वे रास्ता बदल कर भाग जाते हैं। पुलिस की ताजा कार्रवाई से क्षेत्र के शराब कारोबारियों में हड़कंप मच गया है।

चुनाव लड़ना मकसद नहीं बल्कि जनता की सेवा और आवाज को सदन तक पहुंचाना - स्मिता चौरसिया

बीएनएम@ बगहा

जनसुराज पार्टी की प्रदेश महिला महासचिव एवं खटौरी पंचायत की मुखिया सह रामनगर मुखिया संघ की अध्यक्ष स्मिता चौरसिया ने अपने विधानसभा क्षेत्र में जनसंपर्क अभियान को और गति दे दी है। अपने सहज स्वभाव और जमीनी जुड़ाव के कारण वे लगातार ग्रामीण इलाकों से लेकर नगर क्षेत्र तक जनता से सीधा संवाद स्थापित कर रही हैं। सोमवार को उनके जनसंपर्क दौरे का केंद्र बगहा प्रखंड के इंगलिसिया पंचायत के मोती टोला, जैनी टोला, मेहुडा पंचायत के पचफेडवा, पारस नगर, सिरौना समेत विभिन्न गांवों में भ्रमण कर लोगों के बीच जनसंपर्क अभियान चलाई। इसके साथ ही उन्होंने नगर परिषद क्षेत्रों में भी भ्रमण कर जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने घर-घर जाकर ग्रामीणों और नगरवासियों से मुलाकात की, उनका हालचाल जाना और क्षेत्र की समस्याओं को सुना। स्मिता चौरसिया ने जनता से बातचीत करते हुए कहा कि उनका मकसद केवल चुनाव लड़ना नहीं, बल्कि जनता की आवाज़ को विधानसभा तक पहुंचाना और क्षेत्र का सर्वांगीण विकास करना है। उन्होंने कहा कि जनसुराज पार्टी गांव-गांव तक विकास की नई

बगहा में जनसंपर्क करती जनसुराज पार्टी के भावी प्रत्याशी स्मिता चौरसिया

सोच लेकर आई है और वे हर वर्ग की समस्या को प्राथमिकता से हल करने का संकल्प लेकर चल रही हैं। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि यदि जनता उन्हें अवसर देती है तो वे बगहा विधानसभा को शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाएंगी। साथ ही, हर पंचायत और हर वार्ड की छोटी से छोटी समस्या को भी गंभीरता से लिया जाएगा।जनसंपर्क अभियान के दौरान जगह-जगह ग्रामीणों ने उनका जोरदार स्वागत किया और उन्हें अपना आशीर्वाद दिया।

अमेरिका से बिगड़ते संबंध

आवश्यक है कि विदेश नीति में किसी परिवर्तन से पहले उसके सभी आयामों पर गंभीरता से विचार हो। सिर्फ अमेरिका को सख्ती का संकेत देने के लिए अथवा जज्बाती प्रतिक्रिया में ऐसा करना भारत के हित में नहीं होगा। अमेरिका से बिगड़ते संबंधों के साथ भारत में अचानक चीन से रिश्ते सुधारने और रूस से संबंध और गहरा करने की जरूरत पर अधिक जोर दिया जाने लगा है। संकेत हैं कि भारत सरकार ने इससे संबंधित प्रक्रियाओं को तेज कर दिया है। उधर, ऐसा लगता है कि चीन ने इस नई परिस्थिति में अपने लिए अवसर देखा है। भारत और अमेरिका के बीच दरार चौड़ी हो जाए, तो चीन के लिए यह अच्छी स्थिति होगी। यह अमेरिका की चीन को घेरने की रणनीति के लिए एक झटका होगा, जिसे स्वरूप देने में गुजरे डेढ़ दशक में अमेरिका ने अपनी काफी ऊर्जा लगाई है। तो खबर है कि चीन ने भारत को उर्वरकों के निर्यात रोकने की नीति में ढिलाई दे दी है और कथित रबर डंपिंग के मामले में भारत के खिलाफ जांच रोक दी है। इधर भारत ने दोनों देशों के बीच सीधी विमान सेवा शुरू करने का ठोस संकेत दिया है। इसी बीच खबर आई है कि चीन के विदेश मंत्री वांग यी 18 अगस्त को भारत आएंगे। वांग सीमा विवाद पर वार्ता के लिए चीन के विशेष प्रतिनिधि भी हैं। नई दिल्ली में भारत के विशेष प्रतिनिधि अजित डोवल से उनकी बातचीत होगी। साथ ही एलान हुआ है कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर 21 अगस्त को मास्को जाएंगे। ये तमाम कूटनीतिक गतिविधियां शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तय चीन यात्रा से पहले हो रही हैं। रूस और चीन दोनों भारत के साथ अपनी त्रिपक्षीय वार्ता का क्रम फिर शुरू करने पर जोर दे रहे हैं। इसलिए ताजा गतिविधियों को उस प्रयास से जोड़ कर देखा जा रहा है। भारत इसके लिए तैयार होता है या नहीं, यह देखने की बात होगी। ऐसा हुआ, तो वह भारत की विदेश नीति में बड़े परिवर्तन का संकेत होगा? स्पष्टतः उसके दूरगामी परिणाम होंगे। इसलिए आवश्यक है कि ऐसे किसी परिवर्तन से पहले उसके सभी आयामों पर गंभीरता से विचार किया जाए। सिर्फ अमेरिका को सख्ती का संकेत देने के लिए अथवा जज्बाती प्रतिक्रिया के तहत ऐसा करना भारत के हित में नहीं होगा।

भारतीय अर्थव्यवस्था में भरोसे की बड़ी छलांग

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की आर्थिक ताकत और नीतिगत प्रतिबद्धता को मान्यता देने वाला एक विशेष समय सामने आया है। वैश्विक रेटिंग एजेंसी "एसएंडपी ग्लोबल" ने 18 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद भारत की दीर्घकालिक सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग को 'बीबीबी-' से बढ़ाकर 'बीबीबी' और अल्पकालिक रेटिंग को 'ए-3' से 'ए-2' कर दिया है। यह सुधार किसी सामान्य तकनीकी घोषणा भर का मामला नहीं है बल्कि यह उस आर्थिक आत्मविश्वास और नीतिगत स्थिरता का प्रमाण है, जिसे भारत ने निरंतर बनाए रखा है। दरअसल, वर्ष 2007 के बाद यह पहली बार है जब भारत की रेटिंग में सुधार हुआ है और इस अंतराल में दुनिया की अर्थव्यवस्था ने कई गहरे झटके झेले हैं। 2008 की वैश्विक वित्तीय मंदी, यूरोपीय ऋण संकट, कोविड महामारी, रूस-यूक्रेन युद्ध और हालिया पश्चिम एशियाई अस्थिरता जैसी चुनौतियाँ भारत के सामने भी थीं, लेकिन इन सबके बीच भारत ने न केवल अपने विकास को स्थिर बनाए रखा बल्कि भविष्य की संभावनाओं को भी और मज़बूत किया। रेटिंग सुधार इसीलिए भारत की नीतिगत क्षमता और आर्थिक लचीलापन दोनों की अंतरराष्ट्रीय स्वीकृति है।

बना हुआ है निवेशकों का भरोसा- यह सुधार निवेशकों के लिए एक भरोसे का संदेश है। 'बीबीबी' श्रेणी को निवेश ग्रेड माना जाता है और इसका अर्थ यह है कि भारत अपने वित्तीय दायित्वों को समय पर पूरा करने की पर्याप्त क्षमता रखता है। यद्यपि यह रेटिंग अभी 'ए' या 'एएए' स्तर तक नहीं पहुँची है, लेकिन यह मान्यता महत्वपूर्ण है कि भारत अब उन देशों की श्रेणी में शामिल है जिन्हें सुरक्षित निवेश गंतव्य माना जाता है। अल्पकालिक 'ए-2' रेटिंग भी यही बताती है कि भारत की तत्कालीन वित्तीय प्रतिबद्धताओं पर कोई खतरा नहीं है। यह सुधार भारत की उस दीर्घकालिक आर्थिक योजना का हिस्सा है, जिसमें तेज़ जीडीपी वृद्धि, मजबूत मौद्रिक ढाँचा, नियंत्रित मुद्रास्फीति और बुनियादी ढाँचे में भारी निवेश शामिल है। अगर हालिया आंकड़ों पर नज़र डालें तो तस्वीर और स्पष्ट हो जाती है। वित्त वर्ष 2022 से 2024 के बीच भारत की औसत वास्तविक जीडीपी वृद्धि 8.8 प्रतिशत रही है, जो एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सबसे अधिक है। एसएंडपी का अनुमान है कि अगले तीन वर्षों में भी भारत 6.8 प्रतिशत की दर से बढ़ता रहेगा। यह दर उस समय में उल्लेखनीय है जब चीन की वृद्धि दर पाँच प्रतिशत से नीचे जा रही है और यूरोप व अमेरिका की बड़ी अर्थव्यवस्थाएँ मंदी के दबाव से जूझ रही हैं। इसका अर्थ यह है कि भारत वैश्विक विकास का प्रमुख इंजन बन चुका है और आने वाले वर्षों में इसका दबदबा और बढ़ेगा।

राजकोषीय घाटे का कम होना लेकर आया है नई उम्मीद- इस वृद्धि के पीछे सरकार का राजकोषीय प्रबंधन और बुनियादी ढांचे पर केंद्रित नीतियां प्रमुख कारण रही हैं। महामारी के दौरान भारत का राजकोषीय घाटा जीडीपी के 9 से 13 प्रतिशत तक पहुँच गया था। लेकिन अब यह घटकर वित्त वर्ष 2025 में 4.8 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2026 में 4.4 प्रतिशत तक लाने का लक्ष्य है। राज्य सरकारों का घाटा भी अगले तीन-चार वर्षों में औसतन 2.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है। केंद्र और राज्यों दोनों को मिलाकर सामान्य सरकारी घाटा 2029 तक 6.6 प्रतिशत पर आ सकता है। यह सुधार न केवल वित्तीय अनुशासन का प्रमाण है बल्कि यह भी बताता है कि सरकार ने बड़े पैमाने पर निवेश को बिना चालू खाता घाटा बढ़ाए सफलतापूर्वक वित्तपोषित किया है। यह भारत की विश्वसनीयता में बढ़ोतरी करने वाला कारक है।

बुनियादी ढांचे पर फोकस ने विकास की गति को कई गुना बढ़ा दिया- बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में किए गए निवेश ने भी भारत की आर्थिक संभावनाओं को एक नई दिशा दी है। वित्त वर्ष 2026 तक केंद्र सरकार का पूंजीगत व्यय 11.2 ट्रिलियन रुपये तक पहुँचने का अनुमान है, जो जीडीपी का 3.1 प्रतिशत होगा। यदि राज्यों को मिलाया जाए तो यह अनुपात 5.5 प्रतिशत तक जाता है। इतनी बड़ी पूंजीगत हिस्सेदारी केवल आँकड़ों का खेल नहीं है बल्कि यह सड़कों, रेलमार्गों, बंदरगाहों, ऊर्जा संयंत्रों और डिजिटल अवसंरचना के निर्माण में परिलक्षित होती है। यह निवेश दीर्घकालिक विकास की बाधाओं को दूर करने में सहायक है। भारत की समस्या लंबे समय तक यही रही कि यहाँ बुनियादी ढाँचे की कमी विकास की गति को रोक देती थी। अब केंद्र की मोदी सरकार इस कमी को व्यवस्थित रूप से दूर कर रही है और इसका लाभ उद्योग, व्यापार और नागरिकों सभी को मिलेगा। मुद्रास्फीति पर नियंत्रण और मौद्रिक नीति की स्थिरता इस रेटिंग सुधार के दूसरे बड़े कारण हैं। भारतीय रिजर्व बैंक ने 2015 से मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण का ढाँचा अपनाया, जिसमें 2 से 6 प्रतिशत के बीच खुदरा मुद्रास्फीति रखने का लक्ष्य है। पिछले तीन वर्षों में औसतन मुद्रास्फीति 5.5 प्रतिशत पर रही है और हाल के महीनों में यह घटकर 2 प्रतिशत के करीब आ गई है। जुलाई 2025 में मुख्य सीपीआई मुद्रास्फीति केवल 1.6 प्रतिशत रही, जो वैश्विक ऊर्जा मूल्य अस्थिरता के बावजूद उल्लेखनीय है। यही कारण है कि फरवरी 2025 में रिजर्व बैंक ने नीतिगत रेपो दर को घटाकर 5.5 प्रतिशत कर दिया। मुद्रास्फीति नियंत्रण का यह अनुभव निवेशकों को भरोसा देता है कि भारत में मूल्य अस्थिरता आर्थिक विकास की राह में बाधा नहीं बनेगी।

रेटिंग सुधार से अंतरराष्ट्रीय बाजार से सुविधाएं मिलना तय- विदेशी निवेशकों के लिए भारत अब और अधिक आकर्षक बन गया है। रेटिंग सुधार का सीधा अर्थ है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार से भारत को सस्ता ऋण मिलेगा। इससे न केवल सार्वजनिक परियोजनाओं की फंडिंग आसान होगी बल्कि निजी क्षेत्र को भी अधिक अवसर मिलेंगे। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश और पोर्टफोलियो निवेश दोनों में वृद्धि की संभावना है। निवेशकों की नजर में स्थिर नीतियाँ और भरोसेमंद संस्थागत ढाँचा सबसे बड़ा आकर्षण होता है। भारत ने इस दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। चाहे दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता हो, जीएसटी जैसी कर सुधार व्यवस्था हो या डिजिटलीकरण की पहल, इन सबने भारत की अर्थव्यवस्था को पारदर्शी और कुशल बनाने में योगदान दिया है।

बढ़ती प्रतिष्ठा का संकेत- रेटिंग सुधार का एक गहरा राजनीतिक और कूटनीतिक महत्व भी है। यह केवल आर्थिक आँकड़ों की मान्यता नहीं बल्कि वैश्विक स्तर पर भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा का भी संकेत है। दुनिया की बड़ी कंपनियाँ और निवेशक जब यह देखते हैं कि अंतरराष्ट्रीय एजेंसियाँ भारत की रेटिंग सुधार रही हैं, तो उनका विश्वास और बढ़ता है। यह सुधार भारत की छवि को उभरते हुए आर्थिक शक्ति से एक स्थिर और भरोसेमंद शक्ति में बदलने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस पूरे परिदृश्य में सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि क्या भारत इस अवसर का उपयोग दीर्घकालिक सुधारों को आगे बढ़ाने में कर पाएगा? रेटिंग सुधार केवल एक आरंभ है, अंत नहीं। इसे बनाए रखने और आगे बढ़ाने के लिए भारत को राजकोषीय अनुशासन को और मज़बूत करना होगा, निर्यात विविधीकरण करना होगा, हरित ऊर्जा और तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देना होगा तथा सामाजिक क्षेत्र में निवेश बढ़ाना होगा। विकास तभी टिकाऊ और सार्थक होगा जब वह समाज के हर वर्ग तक पहुँचे। अतः यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि एसएंडपी का रेटिंग सुधार भारत के लिए भरोसे का एक प्रमाण-पत्र है। यह प्रमाण-पत्र केवल भारत सरकार के आर्थिक प्रबंधन का ही नहीं बल्कि भारतीय लोकतंत्र की स्थिरता और भारतीय समाज के लचीलापन का भी है। यह अवसर है कि हम इस विश्वास को और गहरा करें और आने वाले वर्षों में भारत को ऐसी स्थिति में पहुँचाएँ, जहाँ उसकी रेटिंग और ऊपर जाए और वह दुनिया की सबसे स्थिर और शक्तिशाली अर्थव्यवस्थाओं में गिना जाए। कहना होगा कि इस भरोसे को बनाए रखना ही अब भारत की सबसे बड़ी चुनौती और सबसे बड़ा लक्ष्य होना चाहिए।

गुलामी में भारत की हथकरघा उद्योग को नुकसान

संजय गोस्वामी

भारत के गुलामी के दौरान ब्रिटिश सरकार द्वारा भारत की हथकरघा संस्कृति को पूँजीपति के द्वारा कैसे नष्ट किया गया, इसके बारे में जानना आवश्यक है पुराने हस्तशिल्पों का ह्रास भारत के आर्थिक संक्रमण की सर्वाधिक नाटकीय घटना है। भारत में हस्तशिल्प उद्योग सदियों से फलता-फूलता आ रहा था। सत्रहवीं और अठारहवीं शताब्दी के आरंभ में भारत में निर्मित वस्तुएं विश्व प्रसिद्ध थीं। प्राचीनकाल से ही मिश्र वासियों, ईरानियों, चीनियों, यूनानियों, रोमनों, अरबों और यूरोपियनों ने भारत के साथ हस्तशिल्प में बने वस्तुओं के लिए व्यापारिक सम्बन्ध रखे। भारतीय हस्तशिल्प उत्पाद इन देशों में प्रशंसा और ईर्ष्या का कारण बना रहा। युगों तक इसके कारण भारत को ''शानदार भारत'' कहा गया। परन्तु भारत में जैसे-जैसे अंग्रेजों की राजनीतिक सत्ता में बढ़ोत्तरी हुई और जब उन्होंने भारत के आर्थिक जीवन में हस्तक्षेप करने शुरू किए, भारत के हस्तशिल्प उद्योगों का बड़ा ही आकस्मिक एवं सर्वग्राही विध्वंस होने लगा।भारतीय हस्तशिल्प उद्योगों में ह्रास के यद्यपि अनेक कारण रहे, परन्तु इसके कई कारण कतिपय रूप से महत्वपूर्ण हैं। जैसे इंग्लैंड में औद्योगिक क्रांति के फलस्वरूप अंग्रेजों द्वारा भारत पर अपने औद्योगिक अर्थव्यवस्था को लादना, भारत में पुराने देशी दरबारों के संरक्षण का लोप, मशीन उद्योगों की शुरूआत, विदेशी शासन की भारत में स्थापना और उसका राजनीतिक दबाव, बिट्रेन की आर्थिक नीति जिसके तहत उसने भारत को मूल रूप से कृषि प्रधान बनाए रखने की कोशिश की, 1813 ई. का चार्टर एक्ट इत्यादि। अर्थशास्त्र का एक आधारभूत सिद्धांत है कि सहज श्रम से या औद्योगिक तकनीकों से वस्तुओं के उत्पादन में अपेक्षाकृत कम खर्च होता है। इस तरह मशीन उद्योगों के द्वारा कम समय में अधिक और सस्ते मालों की बिक्री प्रारंभ हुई, जिससे हस्तशिल्प से निर्मित वस्तुओं की मांग तथा बिक्री में कमी आई।मशीनीकरण से नुकसानरू हस्तशिल्प का विनाश अंग्रेजी सत्ता के राजनीतिक दबाव व विदेशी मशीन उद्योगों के सस्ते उत्पादनों के कारण हुआ। इसके परिणामस्वरूप हस्तशिल्प उद्योगों के कारीगरों की जीविका का साधन नष्ट हो गया। यद्यपि 1850 ई. के पश्चात भारत में आधुनिक उद्योगों की स्थापना भी हुई, परन्तु इतनी तेजी से नहीं कि बेरोजगारी और बर्बादी के कगार पर पहुँचे कारीगरों और दस्तकारों को पूर्ण रोजगार मिल जाए।भारतीय हस्तशिल्पी अपने द्वारा निर्मित उत्कृष्ट किस्म की वस्तुओं को विदेश भेजते थे तो वहाँ भी केवल अभिजात और कुलीन वर्ग के लोग ही साधारणतया उसे खरीद पाते थे। इस प्रकार की सीमित मंडी तब और भी सीमित हो गई जब भारतीय वस्तुओं के प्रति विदेश में अवरोधक कानून बनाए जाने लगे। इसका भारतीय दस्तकारी व हस्तशिल्प पर बुरा प्रभाव पड़ा। रोजमर्रा की आवश्यकताओं का उत्पादन भारतीय हस्तशिल्प व दस्तकारी उत्पादन के विकास के लिए आवश्यक था, लेकिन इसे प्राथमिकता नहीं मिली।ब्रिटेन तथा अन्य देशों में मशीन से निर्मित सस्ती वस्तुओं की बाढ़ भारत के ग्रामीण इलाकों में हस्तशिल्प के पतन का मूल कारण था। रेलवे तथा परिवहन के अन्य साधनों के विकास से इस बाढ़ को फैलने में मदद मिली, क्योंकि अब ग्रामीण लोगों की पहुँच भी विदेशों में उत्पादित सस्ती वस्तुओं तक होने लगी। कारखानों में विकसित उत्पादन की सस्ती और लाभकारी तकनीक का मुकाबला हस्तशिल्प व दस्तकारी न कर सकी और प्रायः नष्ट हो गई। औद्योगिक क्रांति का दौररू इंग्लैंड में औद्योगिक क्रांति के परिणामस्वरूप भारतीय हस्तशिल्प व दस्तकारी उद्योगों का जम कर विनाश हुआ। ईस्ट इंडिया कम्पनी ने इंग्लैंड के उत्पादन को भारत में खपाने का प्रयास किया। 1813 ई. के कम्पनी चार्टर एक्ट के द्वारा जब भारत में कम्पनी के व्यापारिक एकाधिकार को लगभग समाप्त कर दिया गया तो भारतीय बाजारों में सस्ते दर की अच्छे किस्म की वस्तुओं की बाढ़ आ गई।इससे भारतीय हस्तशिल्प व दस्तकारी उद्योगों द्वारा बनाई गई वस्तुओं की बिक्री में भारी कमी आई। पूँजी की कमी, तकनीकी ज्ञान के अभाव आदि के कारणों से भारत औद्योगिकीकरण का लाभ न उठा सका और आर्थिक रूप से पिछड़ गया। ग्रामीण उत्पादन प्रणाली में मशीन का प्रयोग बढ़ने से भी हस्तशिल्प उद्योगों का ह्रास हुआ, मशीनों द्वारा स्वाभाविक रूप से बढ़ती मांग को पूरा किया जाने लगा।देशी रजवाड़े हस्तशिल्प उद्योगों के संरक्षक थे। उनके संरक्षण के समाप्त होने के कारण हस्तशिल्प में उत्पादित वस्तुओं के खरीददार समाप्त हो गए, जिसका दस्तकारी व हस्तशिल्प पर काफी बुरा प्रभाव पड़ा। ईस्ट इंडिया कम्पनी यद्यपि इन उद्योगों को प्रश्रय प्रदान कर सकती थी, परन्तु उसने अपने गृह राज्य के दबाव में आ कर ऐसा काम किया जो भारतीय हस्तशिल्प उद्योग के लिए अहितकर हुए। हस्तशिल्प व दस्तकारी उद्योगों का इसलिए भी विनाश हुआ कि अंग्रेजों की सीमा शुल्क नीति और परिवहन नियमन के तरीके भारत के हित के प्रतिकूल में थे, जिससे भारतीय व्यापारियों को व्यापार करने में अनेक कठिनाईयों का सामना करना पड़ा। उदाहरण स्वरूप लार्ड लिंटन के शासनकाल में भारत में बनी कपास की वस्तुएं जो बाहर के देशों में भेजी जाती थी, उन पर अतिरिक्त शुल्क लगाया गया, जबकि भारत में इंग्लैंड से लाई कई कपास की वस्तुओं पर इस शुल्क को माफ कर दिया गया। इसके परिणामस्वरूप भारतीय वस्तुओं के मूल्य में वृद्धि हुई, जबकि इंग्लैंड में बनी वस्तुओं के मूल्य में कमी। इससे भारतीय वस्तुओं की मांग पर काफी बुरा प्रभाव पड़ा, जिससे हस्तशिल्प उद्योग भी प्रभावित हुआ। भारतीय हस्तशिल्प और दस्तकारी उद्योगों के ह्रास का एक कारण इनके मंडी या बाजार का सीमित होना भी रहा, चूँकि भारत के हस्त शिल्प उद्योग मध्ययुगीन समाज के सीमित अभिजात्य वर्ग की पहुँच तक ही सीमित थे।ब्रिटेन की आर्थिक नीति के कारण भी परम्परागत हस्तशिल्प व दस्तकारी उद्योगों का विनाश हुआ। इस नीति के तहत भारत में नये उद्योगों को विकसित होने से रोका गया। क्योंकि भारत में नये उद्योगों के विकास से ब्रिटेन में उत्पादित वस्तुओं की भारत में खपत घट जाती। इसके अलावे एक अन्य कारण से भी ब्रिटेन ने भारत को मूलतः कृषि प्रधान बनाए रखने का प्रयास किया। चूँकि इंग्लैंड को अपने उद्योगों को चलाने के लिए भारतीय कच्चे मालों के उत्पाद की जरूरत थी। इस तरह भारत एक औद्योगिक राष्ट्र का कृषि प्रधान औपनिवेशिक उपयोग बन कर रह गया।महात्मा गांधी ने कभी कहा था, ''सिर्फ यह कहना ही काफी नहीं है कि हस्तकरघा एक ऐसा उद्योग है जिसे पुनर्जीवित किये जाने की आवश्यकता है। बल्कि सबसे बड़ी आवश्यकता इस बात पर जोर देने की है कि यह हमारा केंद्रीय उद्योग है और अगर हमें अपनी ग्रामीण संस्कृति को वापस पाते हुए दोबारा स्थापित करना चाहते है तो हमें इस ओर भी ध्यान देना होगा।''चाहे वह कलाकारी हो, बुनाई या नक्काशी हो या फिर निर्माण और बढ़ईगीरी हो, जिन लोगों ने इन्हें तैयार करने में अपना अधिकतर समय बिताया होता है वही इस काम से मिलने वाली संतुष्टि को बेहतर तरीके से जान सकते हैं।

मेष राशिः आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। इस राशि के स्टूडेंट्स का दिन राहत भरा होगा नया शेड्यूल बनाने का भी विचार कर सकते हैं। आज ऑफिस में फ़ोन का इस्तेमाल कम से कम करेंगे और अपने काम पर पूरा फोकस करेंगे। आज पैसों के मामलों में दूसरों पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करने से बचना चाहिए। आज जीवनसाथी के साथ किसी धार्मिक स्थल की यात्रा करने का प्लान कर सकते हैं।

वृष राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज आपकी योजनाओं के अनुसार, सभी काम होने से आपका मन काम में लगा रहेगा। आज सामाजिक कामों में आपकी रूचि बढ़ सकती है। आज आपको जीवनसाथी से काम में पूरा- पूरा सहयोग मिलेगा। आज व्यापार में साझेदारी से आपको लाभ हो सकता है। आप चीज़ों को बेहतर ढंग से समझने की कोशिश करेंगे।

मिथुन राशिः आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज बिजनेस को बढ़ाने के लिये आपको नये अवसर मिलेंगे। आज आपको व्यापार में किसी व्यक्ति से फायदा मिलने की उम्मीद बढ़ेगी जिससे आपका उत्साह भी बढ़ेगा। आज घर में कोई फंक्शन होने से आपके शेड्यूल में बदलाव आ सकता है। पहले से शुरू किये गये ज्यादातर काम आज पूरे होंगे।

कर्क राशिः आज आपका दिन मिला-जुला रहने वाला है। आज आपका ध्यान काम को पूरा करने में लगा रहेगा। आज ऑफिस में किसी काम को लेकर थोड़ा विचार-विमर्श करना पड़ सकता है, शत्रुपक्ष आपकी योजनाओं से ज्यादा प्रभावित हो सकते हैं। आज आपको किसी बड़ी कम्पनी में काम करने का मौका मिलेगा, जिससे आपके करियर में तरक्की होगी।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतर रहेगा। आज आपको पहले से चली आ रही समस्याओं का समाधान मिलेगा, जिससे आपके मन में ख़ुशी बनी रहेगी। आज आप अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए कुछ अच्छे बदलाव करने की कोशिश करेंगे। आप लम्बे समय तक स्वस्थ रहें इसके लिए आपको अच्छी डाइट लेनी चाहिए।

कन्या राशिः आज आपका दिन अच्छे मूड से शुरू होने वाला है। आज आपकी व्यापारिक गतिविधियां सुचारू रूप से चलती रहेंगी। इस राशि के राजनीति व सामाजिक क्षेत्र से जुड़े व्यक्ति के लिए दिन फेवरेबल रहेगा। आज बिजनेस मैन जरुरी मीटिंग अटेंड कर सकते हैं , जिससे आपको बिजनेस बढ़ाने में काफ़ी मदद मिलेगी। आज किसी से लिए उधार से छुटकारा मिलेगा, आपकी उलझन ख़त्म होंगी।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए उत्साह से भरा रहेगा। आज बिजनेस के क्षेत्र में आपको बड़ा धन लाभ होगा और शत्रु पक्ष आज आपसे दूरियां बनाकर रहेंगे। आज आपको फर्नीचर के बिजनेस में बढ़िया लाभ होगा और आपको बड़े प्रोजेक्ट का आर्डर भी मिलेगा। राइटर आज कोई नई स्टोरी लिख सकते हैं जिसे लोगों द्वारा खूब पसंद किया जायेगा।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज अगर किसी बिजनेस ट्रिप के लिये आप बाहर जा रहे हैं, तो घर के बड़े-बुजुर्ग का आशीर्वाद लेकर जाएं आपका काम सफल होगा। आज आपके जीवनसाथी को तरक्की का अच्छा अवसर मिलेगा। आज आपको नौकरी में उन्नति के अवसर प्राप्त होंगे, जो आपके करियर को आगे लेकर जायेंगे।

धनु राशिः आज आपका दिन पहले की अपेक्षा अच्छा रहेगा। आज आप परिवार वालों के साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड करेंगे साथ ही जीवनसाथी के साथ आपकी लंबी बातचीत हो सकती है, इससे आपके रिश्ते बेहतर होंगे। आज आप दोस्तों के साथ थियेटर में मूवी देखने की प्लानिंग कर सकते हैं। आज किसी खास काम में आपको सफलता मिलेगी साथ ही साथ आपके मन में नए-नए विचार आ सकते हैं।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहेगा। आज एकाग्र मन से किया गया काम लाभदायक साबित होगा। आज किसी जिम्मेदारी को अनदेखा करने से आपको बचना चाहिए और जल्द से जल्द उसे पूरा करना चाहिए। आज आपकी सेहत ठीक-ठाक रहेगी, जिससे आप कम से कम समय में काम निपटाने की कोशिश करेंगे।

कुम्भ राशिः आज आपका दिन उत्तम रहने वाला है। आज आप किसी बिजनेस की शुरुआत अपने दोस्त के साथ मिलकर कर सकते हैं। आज आप दोस्तों की बर्थडे पार्टी में जायेंगे जहां बाकी दोस्तों के साथ इंज्वाय करने का मौका मिलेगा। आज आप नई स्किल सीख सकते है जिसका लाभ आपको भविष्य में जरूर मिलेगा।

मीन राशिः आज आप का दिन नई उमंग के साथ शुरू होने वाला है। आज आपका अच्छा व्यवहार सोसाइटी में अलग पहचान बनाने में मदद करेगा। कांट्रेक्टर के लिए आज का दिन धनलाभ देने वाला, आज आपको बड़ा कॉन्ट्रैक्ट मिल सकता है। आज आप मौसमी फलों का सेवन करें , जिससे आपका स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

एनसीईआरटी ने विभाजन पर किया सत्य का संधान

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत का विभाजन केवल एक ऐतिहासिक घटना नहीं था, बल्कि वह एक ऐसी त्रासदी थी जिसने इस उपमहाद्वीप के करोड़ों लोगों के जीवन को हमेशा के लिए बदल दिया। यह घटना केवल भौगोलिक सीमाओं का बंटवारा नहीं थी, बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और मानसिक स्तर पर भी भारतीय समाज को गहरी चोट देने वाली थी। स्वतंत्रता प्राप्ति के साथ जुड़ी यह विभीषिका हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि आखिर किन कारणों से वह स्थिति उत्पन्न हुई, जिसने एक अखंड सभ्यता, साझा परंपराओं और हजारों साल पुरानी एकता को अचानक तोड़ दिया। आज जब यह सवाल उठता है कि विभाजन का जिम्मेदार कौन था, तो तथ्यों और इतिहास की ठोस पड़ताल से यह बात स्पष्ट होती है कि इसके लिए जिन्ना, कांग्रेस और माउंटबेटन तीनों बराबर रूप से जिम्मेदार थे। एनसीईआरटी का हाल ही का पाठ्य मॉड्यूल इसी सच्चाई को रेखांकित करता है और यही कारण है कि इस पर कुछ वर्गों द्वारा विवाद खड़ा किया जा रहा है। परंतु यदि हम निष्पक्ष और ठोस ऐतिहासिक साक्ष्यों को देखें तो इस तथ्य को कोई नकार नहीं सकता कि विभाजन इन्हीं तीन कारकों के सम्मिलित निर्णय और क्रियान्वयन का परिणाम था। विभाजन से जुड़ी विभीषिका की भयावहता को समझने के लिए उसके मानवीय और सांस्कृतिक आयामों पर भी ध्यान देना चाहिए। लगभग बीस लाख लोग प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष हिंसा का शिकार हुए और लाखों महिलाओं के साथ अमानवीय अत्याचार हुए। बारह से पंद्रह मिलियन लोग अपने पुश्तैनी घरों से उखाड़े गए और शरणार्थियों के रूप में भारत या पाकिस्तान की ओर पलायन करने को मजबूर हुए। पंजाब, बंगाल और सिंध जैसी समृद्ध सांस्कृतिक इकाइयाँ खंडित हो गईं। धार्मिक उन्माद और अविश्वास की आग ने पड़ोसियों को दुश्मन बना दिया। यह सब कुछ अचानक नहीं हुआ, बल्कि यह राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं, नीतिगत भूलों और औपनिवेशिक षड्यंत्रों का परिणाम था। मुस्लिम लीग और जिन्ना की भूमिका इस पूरे परिदृश्य में केंद्रीय रही। जिन्ना ने प्रारंभिक दौर में कांग्रेस के साथ मिलकर काम किया था और खुद को 'हिंदू-मुस्लिम एकता के राजदूत' के रूप में प्रस्तुत किया था। लेकिन धीरे-धीरे उसने महसूस किया कि कांग्रेस में उनका प्रभाव सीमित होता जा रहा है और

यही असंतोष आगे चलकर कटुता में बदल गया, जिसके बाद जिन्ना ने मुस्लिम लीग को एक अलग ताकत के रूप में खड़ा किया। 1940 का लाहौर प्रस्ताव इस दिशा में निर्णायक मोड़ था, जब मुस्लिम लीग ने पहली बार औपचारिक रूप से पाकिस्तान की मांग रखी। इसके बाद जिन्ना ने 'डायरेक्ट एक्शन डे' जैसे हिंसक आंदोलनों का सहारा लिया, जिनके परिणामस्वरूप हजारों लोग मारे गए। जिन्ना का तर्क था कि मुसलमानों की राजनीतिक और सांस्कृतिक पहचान हिंदुओं से बिल्कुल भिन्न है और वे एक ही राष्ट्र में रहकर सुरक्षित नहीं रह सकते। यह विचारधारा मूलतः विभाजनकारी थी, जिसने भारत के सांस्कृतिक ताने-बाने को सबसे गहरा आघात पहुँचाया। लेकिन केवल जिन्ना और मुस्लिम लीग को ही दोष देना ऐतिहासिक दृष्टि से अधूरा है। कांग्रेस के नेताओं की नीतिगत भूलें भी उतनी ही बड़ी वजह थीं। गांधीजी का यह मानना कि मुसलमानों के साथ लगातार रियायतें देकर उन्हें राष्ट्रीय आंदोलन में बनाए रखा जा सकता है, एक रणनीतिक गलती थी। खिलाफत आंदोलन का समर्थन इसी का उदाहरण है, जिसने भारत की राष्ट्रीय चेतना को धार्मिक आधार पर बाँटने की नींव रखी। नेहरू और पटेल, जो उस समय कांग्रेस की मुख्यधारा का नेतृत्व कर रहे थे, अंततः इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि विभाजन के बिना आगे बढ़ना संभव नहीं है। पटेल ने कई बार यह कहा कि यदि विभाजन से देश की आज़ादी शीघ्र आ सकती है तो इसे स्वीकार कर लेना चाहिए। नेहरू भी सत्ता हस्तांतरण में जल्दबाज़ी के पक्षधर थे। लोहिया जैसे समाजवादी चिंतकों ने उस समय ही यह कह दिया था कि कांग्रेस ने पाकिस्तान को 'एक मजबूरी नहीं बल्कि अपनी सुविधा के लिए स्वीकार किया'। इस तरह कांग्रेस की राजनीतिक सोच और सत्ता प्राप्ति के उतावले पन ने विभाजन को और तेज़ कर दिया। इसके अलावा एक तीसरा पक्ष भी है, ब्रिटिश सत्ता की भूमिका, यहां इसे भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद ब्रिटेन आर्थिक और राजनीतिक रूप से बहुत कमजोर हो चुका था और वह भारत को जल्द से जल्द छोड़ना चाहता था। वावेल जैसे गवर्नर जनरल अखंड भारत के पक्ष में थे, लेकिन 1947 में जब एटली की लेबर सरकार ने सत्ता माउंटबेटन को सौंपी, तो परिदृश्य पूरी तरह बदल गया। माउंटबेटन ने जानबूझकर सत्ता हस्तांतरण की प्रक्रिया को जल्दबाज़ी में पूरा किया। उन्होंने सीमाओं के निर्धारण का जिम्मा सर रेडक्लिफ जैसे व्यक्ति को सौंपा, जिन्हें भारत के भूगोल और समाज की कोई गहरी समझ नहीं थी। नतीजा यह हुआ कि सीमाएँ खींचने का काम बिना स्थानीय वास्तविकताओं की परवाह किए जल्दबाज़ी में हुआ और पंजाब तथा बंगाल जैसे प्रदेश दो हिस्सों में बँटकर हिंसा की ज्वाला में झोंक दिए गए। माउंटबेटन के इस रवैये की आलोचना आज भी इतिहासकार करते हैं कि यदि थोड़ा धैर्य रखा जाता तो इतनी भयावह हिंसा को टाला जा सकता था। कांग्रेस नेताओं की वैचारिक कमजोरी भी इस पूरी प्रक्रिया में सामने आई। जिन्ना ने इस्लामी अलगाववाद की खुलकर पैरवी की और अपनी मांग को कठोरता से रखा। इसके विपरीत कांग्रेस नेताओं ने इस चुनौती का वैचारिक स्तर पर सामना करने के बजाय समझौतों और रियायतों का रास्ता अपनाया। इस्लामी राजनीति के मूल चरित्र मजहबी राष्ट्रवाद और अलगाववाद को कभी गहराई से चुनौती नहीं दी गई। इसके बजाय अंग्रेजों को दोषी ठहराकर समस्या से बचने की कोशिश की गई। इससे मुस्लिम लीग का मनोबल बढ़ता गया और कांग्रेस बार-बार पीछे हटती रही। दिलचस्प बात यह है कि मौलाना अबुल कलाम आज़ाद जैसे नेता, जिन्होंने खुद को राष्ट्रवादी घोषित करने का प्रयास किया, वह भी मूलतः एक इस्लामी चिंतन से प्रेरित थे।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

सूर्यकुमार की कप्तानी में एशिया कप के लिए भारतीय टीम की घोषणा आज होने की संभावना

मुंबई । भारतीय क्रिकेट टीम का अगले माह होने वाले एशिया कप 2025 के लिए मंगलवार को चयन होने की उम्मीद है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति की बैठक में खिलाड़ियों नाम पर विचार किये जाने के बाद टीम की घोषणा होगी। इस बैठक में कप्तान सूर्यकुमार यादव भी शामिल होंगे। एशिया कप के लिए भारतीय टीम का चयन काफी कठिन रहेगा क्योंकि हाल में कई युवाओं ने जबरदस्त प्रदर्शन किया है। एक रिपोर्ट के अनुसार एशिया कप के लिए टेस्ट कप्तान शुभमन गिल तक को जगह मिलना मुश्किल रहेगा। चयनकर्ता सलामी जोड़ी के तौर पर संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा को शामिल कर सकते हैं। वहीं बैकअप ओपनर के तौर पर यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल के नाम हैं पर यशस्वी को जगह मिलने की अधिक संभावना है। शुभमन गिल ने इंग्लैंड के

खिलाफ हाल की टेस्ट सीरीज में सबसे अधिक 754 रन बनाए थे। इसके अलावा आईपीएल में गुजरात टाइटन्स के लिए 650 रन बनाए थे। इसके बावजूद उनकी जगह पक्की नहीं मानी जा रही। वैसे भी एशिया कप एक टी20 टूर्नामेंट है और चयनकर्ता अभिषेक और सैमसन की ही जोड़ी उतारना चाहेंगे। एशिया कप के लिए भारतीय टीम में बल्लेबाजों के तौर पर सूर्यकुमार यादव के अलावा तिलक वर्मा की जगह पक्की है जबकि ऑलराउंडर के लिए हार्दिक पंड्या का खेलना तय है। दूसरे ऑलराउंडर के लिए शिवम दुबे और रिंकू सिंह के बीच मुकाबला है। शिवम को हालांकि बल्लेबाजी के साथ ही गेंदबाजी करने का लाभ मिल सकता है। वहीं श्रेयस अय्यर के चुने जाने की संभावना कम है. जबकि विकेटकीपर संजू सैमसन के बैकअप के तौर पर जितेश शर्मा को जगह मिल सकती है, जिन्होंने आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की लिए शानदार प्रदर्शन किया था। इंग्लैंड के खिलाफ हालिया टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को भी टीम में शायद ही जगह मिले। एशिया कप में तेज गेंदबाजी की कमान जसप्रीत बुमराह कर सकते हैं। उनके साथ अर्शदीप सिंह और प्रसिद्ध कृष्णा के साथ ही हर्षित राणा में से किसी एक को अवसर मिल सकता है। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के चयन की संभावना बेहद कम है। स्पिनर के रूप में कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई और अक्षर पटेल में से किसे जगह मिलती है ये देखना होगा।

लंदन की सड़कों पर छाता लेकर अनुष्का के साथ घूमते दिखे विराट

लंदन । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली आजकल अपने परिवार के साथ लंदन में रह रहे हैं। विराट का लंदन में भी एक घर है। विराट और उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा अपने दूसरे बच्चे के जन्म के बाद से ही ज्यादातर समय लंदन में ही बिता रहें हैं। विराट ने टी20 और टेस्ट प्रारुप को अलविदा कह दिया है। ऐसे में अब वह केवल एकदिवसीय प्रारुप ही खेल रहे हैं। जिसमें उन्हें अक्टूबर 2025 में ऑस्ट्रेलिया टीम के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलनी है। ऐसे में इस खाली समय में विराट अपनी पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ लंदन की सड़कों पर घूमते हुए दिखे। इसका एक वीडियो भी आया है। इसमें वह लोगों से बातचीत करते और हंसते हुए दिखायी दिये। उनके एक हाथ में काला छाता है जबकि दूसरे हाथ में पानी की बोतल है। उन्होंने भारतीय टीम के इंग्लैंड दौरे से पहले ही टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह

दिया था। कोहली ने भारतीय टीम के लिए 123 टेस्ट में 30 शतकों और 31 अर्धशतकों के साथ ही कुल 9230 रन बनाए हैं। उनके नाम कप्तान के तौर पर भारतीय टीम की ओर से सबसे अधिक टेस्ट जीतने का रिकॉर्ड भी है। कोहली की कप्तानी में ही भारतीय टीम ने साल 2014 से 2021 तक 68 टेस्ट मैच खेले और 40 जीते हैं। उनके नाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 27,500 से अधिक रन हैं। उन्होंने पिछले साल टी20 विश्वकप के बाद इस प्रारुपस से संन्यास ले लिया था। अब उनकी नजरें अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में बेहतर प्रदर्शन पर लगी हुई हैं। उनके पास श्रीलंका के कुमार संगकारा से इस प्रारूप में रनों के मामले में आगे निकलने का अवसर है। संगकारा ने 404 एकदिवसीय में 14,234 रन बनाए थे जबकि कोहली के नाम 302 एकदिवसीय में 14,181 रन हैं।

बाबर को एशिया कप में इस कारण शामिल नहीं किया : हेसन

लाहौर , पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कोच माइक हेसन ने अगले माह संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होने वाली त्रिकोणीय सीरीज और उसके बाद एशिया कप के लिए घोषित 17 सदस्यीय टीम में अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को शामिल नहीं करने पर अपनी सफाई दी है। इन दोनो ही अनुभवी खिलाड़ियों को टीम में शामिल नहीं करने पर कई सवाल भी उठे हैं। बाबर टीम के कप्तान भी रहे हैं हालांकि पिछले कुछ समय से उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। रिजवान का भी यही हाल है। वह भी लंबे समय से रन नहीं बना पाये हैं। एशिया कप की शुरुआत नौ सितंबर से यूएई में टी-20 प्रारूप में होगी। इसमें पाक टीम सलमान अली

आगा की कप्तानी में उतरेगी। मुख्य कोच ने कहा हैक दोनो ही पूर्व कप्तान को स्पिनरों के खिलाफ बेहतर स्ट्राइक रेट रखने को कहा गया है। साथ ही कहा कि बाबर को वापसी के लिए बिग बैश लीग में खेलना चाहिये। हेसन ने कहा, बाबर को कुछ क्षेत्रों में काम करने के लिए कहा गया है। खासकर स्पिन के खिलाफ और उनके स्ट्राइक रेट पर जोर दिया गया है। मैं जानता हूं कि वे इस समय इन मामलों पर बहुत अधिक काम कर रहे हैं।

श्रेयस को एशिया कप के लिए शामिल करें : आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने भारतीय टीम से बाहर चल रहे बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को अगले माह होने वाले एशिया क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए टीम में शामिल किये जाने की मांग की है। एशिया कप अगले माह संयुक्त अरब अमीरात में खेला जाएगा। चोपड़ा ने कहा कि श्रेयस मध्यक्रम के एक भरोसेमंद बल्लेबाज हैं। वह बीच के ओवरों में अपनी अच्छी बल्लेबाजी के करण उपयोगी रहेंगे। चोपड़ा ने कहा, श्रेयस ने चैंपियंस ट्रॉफी में शानदार बल्लेबाजी की थी। बीच के ओवरों में उनसे बेहतर कोई भारतीय बल्लेबाज नहीं रहा। वह विपक्षी टीम पर आक्रमण कर रहे थे। वह जब चाहें बाउंड्री लगा रहे थे और दूसरे छोर पर खेल रहे बल्लेबाज पर से दबाव कम कर रहे थे। चोपड़ा ने यह भी कहा कि श्रेयस ने आईपीएल 2025 में भी जबरदस्त प्रदर्शन कर टी20 में अपने को साबित किया था। इस पूर्व क्रिकेटर ने

कहा, आईपीएल में काफी दबाव के बाद भी श्रेयस के लिए सत्र काफी अच्छा रहा। हमने बार-बार देखा है कि टी20 टीम का चयन आईपीएल के प्रदर्शन के आधार पर होता है। हमने वरुण चक्रवर्ती, रिंकू सिंह, हर्षित राणा, अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन और सभी के साथ ऐसा देखा है। अगर हम इस नजरिए से देखें, तो श्रेयस भी खेलने के अधिकारी हैं क्योंकि उन्होंने आईपीएल में पंजाब किंग्स के कप्तानी के तौर पर काफी रन बनाये हैं। इस पूर्व बल्लेबाज ने कहा कि श्रेयस ने 47 टी20I पारियों में 136.11 के स्ट्राइक रेट से 1104 रन बनाए हैं। ऐसे में वह सक्रिय भारतीय टी20आई खिलाड़ियों में पांचवें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने साथ ही कहा कि बीच के ओवरों में अय्यर की परिपक्वता और संयम बेजोड़ है।

आईपीएल नीलामी में सबसे महंगे बिकेंगे कैमरन ग्रीन : आकाश चोपड़ा

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि आईपीएल के अगले सत्र में ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन सबसे महंगे खिलाड़ी हो सकते हैं। चोपड़ा का मानना है ग्रीन चोट से वापसी के बाद से ही शानदार फॉर्म में हैं जिससे वह अन्य सभी प्रतियोगियों पर भारी पड़ेंगे। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में आक्रामक बल्लेबाजी कर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। आईपीएल 2026 के लिए छोटी नीलामी इस साल के अंत या अगले साल की शुरुआत में हो सकती है। चोपड़ा ने इसी को लेकर कहा, 'मुझे लगता है कि ग्रीन नीलामी में सबसे महंगे खिलाड़ी हो सकते हैं। चोट से वापसी के बाद से ही वह जमर रन बना रहे हैं। वह हालांकि अभी गेंदबाजी के लिए तैयार नहीं हैं पर किसी समय गेंदबाजी भी शुरू करेंगे।' ग्रीन ने आईपीएल 2024 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए 12 मैचों में 143.25 की स्ट्राइक रेट से 255 रन बनाए थे हालांकि चोट के कारण उन्होंने आईपीएल 2025 में भाग नहीं लिया था। आकाश ने आगे कहा, 'ग्रीन इस समय शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी कर रहे हैं पर वे अभी गेंदबाजी नहीं कर रहे हैं। अगर वे गेंदबाजी शुरू करते हैं और उनकी बल्लेबाजी को देखते हुए नीलामी में बड़ी रकम हासिल कर सकते हैं। टीमें उन पर काफी पैसा खर्च करना चाहेंगी। मुझे लगता है कि यह नीलामी उनके नाम हो सकती है.' वहीं

चोपड़ा ने मुंबई इंडियंस टीम को लेकर कहा कि उसे प्रतिभाओं की पहचान करना आता है। उन्होंने कहा, 'मुंबई इंडियंस टैलेंट पहचानने में बहुत आगे है, मैं चार नाम लेने जा रहा हूं, जो उनके पास थे. उनके पास डेवॉल्ड ब्रेविस, ट्रिस्टन स्टब्स, टिम डेविड और ग्रीन थे और सभी एक ही साल में हालांकि उन्होंने बाद में इन चारों को जाने दिया।

व्यापार

जीएसटी सुधार और रेटिंग अपग्रेड से शेयर बाजार में आई तेजी

सेंसेक्स 900 अंक चढ़ा; निफ्टी 24900 के पार

मुंबई । हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार में जबरदस्त तेजी दर्ज की गई। वैश्विक बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बीच घरेलू स्तर पर जीएसटी सुधार और भारत की सॉवरिन क्रेडिट रेटिंग में सुधार जैसी सकारात्मक खबरों ने बाजार को मजबूती दी। बीएसई सेंसेक्स 700 अंक से ज्यादा की उछाल के साथ 81,315 पर खुला और कुछ ही मिनटों में 947.43 अंक बढ़कर 81,545.09 पर पहुंच गया। इसी तरह एनएसई का निफ्टी50 भी 315.85 अंक की बढ़त के साथ 24,947 पर कारोबार करता दिखा। बाजार में यह तेजी ऑटो, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, फाइनेंशियल सर्विसेज और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में जोरदार खरीदारी के चलते देखी गई। निवेशकों को उम्मीद है कि आने वाले समय में टैक्स स्ट्रक्चर में बदलाव से कॉर्पोरेट मुनाफों में सुधार होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस

पर अपने भाषण में जीएसटी में बड़े सुधारों का संकेत दिया था। उन्होंने 2025 की दिवाली तक नई पीढ़ी के जीएसटी सिस्टम को लागू करने की बात कही। इसके अलावा भारत सरकार द्वारा पारित नए आयकर विधेयक ने भी निवेशकों में भरोसा बढ़ाया है। वैश्विक स्तर पर एशियाई बाजारों में भी तेजी रही। फिलहाल घरेलू सुधारों और वैश्विक समर्थन के चलते भारतीय शेयर बाजार में सकारात्मक माहौल बना हुआ है, जो आगे भी जारी रह सकता है। वहीं अमेरिकी ब्याज दर नीति के लिए होने की संभावना से पहले सोमवार को एशिया में शेयर बाजारों में तेजी दर्ज की गई। जबकि रूसी सप्लाई के लिए जोखिम थोड़ा कम होने के कारण तेल की कीमतों में गिरावट आई। सामान्य जोखिम-ग्रस्त मनोदशा के कारण जापान और ताइवान के इंडेक्स रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गए। जबकि चीनी ब्लू चिप्स 10 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। एशियाई बाजारों में सोमवार सुबह मिलाजुला रुख देखने को मिला। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 0.7 प्रतिशत ऊपर कारोबार कर रहा था। हांगकांग का हैंगसेंग 0.45 प्रतिशत ऊपर रहा। जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक 1.23 प्रतिशत नीचे रहा। वहीं, अमेरिकी शेयर बाजारों में शुक्रवार को गिरावट दर्ज की गई। प्रॉफिट बुकिंग के कारण वॉल स्ट्रीट में गिरावट आई।

सोना-चांदी में तेजी, लेकिन रिकॉर्ड स्तर से अब भी नीचे

सोना 99,992 प्रति 10 ग्राम, चांदी 1,14,207 प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली । सोमवार को सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोने और चांदी की कीमतों में फिर से तेजी दर्ज की गई। हालांकि, दोनों कीमती धातुएं अब भी अपने रिकॉर्ड स्तर से नीचे बनी हुई हैं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोना 0.15 फीसदी की बढ़त के साथ 99,992 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया, जबकि चांदी 0.23 फीसदी चढ़कर 1,14,207 प्रति किलोग्राम पर पहुंची। पिछले दिनों सोने और चांदी दोनों ने ऐतिहासिक ऊंचाइयों को छुआ था। 8 अगस्त को सोने ने 1,01,406 प्रति 10 ग्राम का रिकॉर्ड बनाया था, वहीं चांदी ने 23 जुलाई को 1,15,850 प्रति किलो का ऑल टाइम हाई छुआ था। हालांकि इसके बाद कीमतों में कुछ गिरावट भी देखी गई। उदाहरण के तौर पर 14 अगस्त को 24 कैरेट सोना 74 गिरकर 1,00,023 प्रति 10 ग्राम पर आ गया था। इसी दिन चांदी 342

की गिरावट के साथ 1,14,933 प्रति किलो रह गई थी। निवेशकों और ग्राहकों के लिए सलाह है कि सोने की खरीदारी करते समय केवल बीआइएस हॉलमार्क लगा सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। सोने-चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी है, ऐसे में खरीदारी से पहले बाजार की स्थिति समझना जरूरी है।

स्टार इमेजिंग की स्टॉक मार्केट में सपाट लिस्टिंग, पहले दिन ही आईपीओ निवेशकों को 3.06 प्रतिशत का नुकसान

नई दिल्ली देश के कई हिस्सों में डायग्नॉस्टिक्स और इमेजिंग नेटवर्क चलाने वाली कंपनी स्टार इमेजिंग एंड पैथ लैब के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में सपाट स्तर पर एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। सपाट लिस्टिंग के बाद बिकवाली के दबाव में ये शेयर अपने इश्यू प्राइस से भी नीचे जाकर बंद हुआ। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 142 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग बिना किसी बदलाव के 142 रुपये के स्तर पर ही हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली के दबाव की वजह से कंपनी के शेयर 134.90 रुपये के स्तर तक गिर गए। हालांकि आखिरी वक्त में हुई मामूली खरीदारी के कारण स्टार इमेजिंग के शेयर निचले स्तर से मामूली रिकवरी

करके 137.65 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 4.35 रुपये यानी 3.06 प्रतिशत का नुकसान हो गया। स्टार इमेजिंग एंड पैथ लैब का 69.47 करोड़ रुपये का आईपीओ 8 से 12 अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 5.67 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 12.85 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 4.38 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.32 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 55.66 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 13.80 करोड़ रुपये के शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी का प्रदर्शन मजबूत रहा।

केंद्र ने एमएसएमई क्षेत्र के संवर्धन और विकास के लिए कई कदम उठाए : शोभा करंदलाजे

नई दिल्ली, केंद्र सरकार ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र के संवर्धन और विकास के लिए कई कदम उठाए हैं। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के तहत सेवा क्षेत्र के लिए 20 लाख रुपये की राशि आवंटित की गई है, जिससे इस योजना का दायरा बढ़ गया है। केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने सोमवार को राज्यसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में यह जानकारी दी। करंदलाजे ने सदन को बताया कि एमएसएमई मंत्रालय ने कारोबार में आसानी के लिए एमएसएमई के लिए उद्यम पंजीकरण 1 जुलाई, 2020 से प्रभावी है। खुदरा और थोक व्यापारियों को 02 जुलाई, 2021 से एमएसएमई के रूप में शामिल करना शामिल है। करंदलाजे ने बताया कि अनौपचारिक सूक्ष्म उद्यमों (आईएमई) को प्राथमिकता क्षेत्र ऋण (पीएसएल) के तहत लाभ प्राप्त करने के लिए औपचारिक दायरे में लाने हेतु उद्यम सहायता प्लेटफॉर्म (यूएपी) का शुभारंभ किया गया। एमएसई के लिए 2 लाख करोड़ रुपये के अतिरिक्त ऋण की सुविधा प्रदान करने और रोजगार के अवसरों का विस्तार करने हेतु 9,000 करोड़ रुपये की आवश्यक धनराशि के साथ ऋण गारंटी योजना का पुनर्गठन किया गया। उन्होंने सदन को बताया कि 18 व्यवसायों में लगे पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों को संपूर्ण लाभ प्रदान करने के लिए 17 सितंबर, 2023 को 'पीएम विश्वकर्मा' योजना का शुभारंभ हुआ। मंत्री ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत (एसआरआई) कोष की स्थापना उन एमएसएमई में इक्विटी फंडिंग के रूप में 50,000 करोड़ रुपये डालने के लिए की गई है, जिनमें विकसित होकर बड़ी इकाइयां बनने की क्षमता और व्यवहार्यता है। केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि 90 फीसदी तक गारंटी कवरेज वाले एमएसई को विभिन्न श्रेणियों के ऋणों के लिए 10 करोड़ रुपये 01 अप्रैल, 2025 से प्रभावी तक की सीमा तक संपार्श्विक मुक्त ऋण, क्रेडिट गारंटी योजना के तहत सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट (सीजीटीएमएसई) के माध्यम से प्रदान किए जाते हैं।

MSME
MICRO, SMALL & MEDIUM ENTERPRISES
सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम
OUR STRENGTH • हमारी शक्ति
Ministry of MSME, Govt. of India

वित्त मंत्री जीएसटी में प्रस्तावित सुधारों को लेकर मंत्री समूह की बैठक को करेंगी संबोधित

नई दिल्ली केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में प्रस्तावित सुधारों को लेकर बुधवार को राज्यों के मंत्रियों के समूह की एक बैठक को संबोधित करेंगी। इन सुधारों के तहत जीएसटी दरों में कटौती होगी और आम इस्तेमाल की वस्तुओं की कीमतों में कमी आएगी। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को बताया कि केंद्र सरकार अमेरिकी टैरिफ का जवाब देने के लिए जीएसटी में बड़ा बदलाव लाने की तैयारी में है। इसे 'जीएसटी 2.0 या नेक्स्ट जेन जीएसटी' नाम दिया गया है। इसके तहत केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में बुधवार, 20 अगस्त को राज्यों के मंत्रियों के एक समूह की अहम बैठक होगी। नई दिल्ली में 20-21 अगस्त को होने वाली राज्य मंत्रिस्तरीय समिति की दो

दिवसीय इस बैठक में इस पर चर्चा की जाएगी। वित्त मंत्री इस बैठक में व्यापक जीएसटी सुधारों के लिए तर्क देंगी, जिससे जीएसटी की कर दरों में कटौती होगी और आम उपयोग की वस्तुओं की कीमतों में कमी आएगी। इस बैठक में उन प्रस्तावों पर विचार-विमर्श किया जाएगा, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा हाल ही में घोषित "अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों" घोषणा की गई थी। उल्लेखनीय है कि देश में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) व्यवस्था 2017 में लागू होने के बाद से ये सबसे महत्वपूर्ण बदलाव होगा।

प्राइम वीडियो ने की नई सीरीज 'राख' की घोषणा

बॉलीवुड एक्टर अली फजल, जिन्हें पिछली बार अनुराग बसु की मल्टीस्टारर फिल्म 'मेट्रो इन दिनों' में देखा गया था, एक बार फिर सुर्खियों में हैं। हालांकि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा कमाल नहीं दिखा पाई, लेकिन अली की परफॉर्मेंस को दर्शकों और समीक्षकों ने काफी सराहा। अब अली अपने करियर को एक नए मोड़ पर ले जाने के लिए तैयार हैं और इस बार वेब सीरीज की दुनिया में बड़ा धमाका करने जा रहे हैं। प्राइम वीडियो ने अपनी नई ओरिजिनल सीरीज 'राख' का ऐलान कर दिया है, जिसमें अली फजल एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाते नजर आएंगे। सीरीज का फर्स्ट लुक भी जारी किया गया है, जिसमें अली का इंटेंस और दमदार अंदाज देखने को मिल रहा है। गहरे भावों से भरा उनका किरदार यह साफ संकेत देता है कि दर्शकों को एक और शक्तिशाली परफॉर्मेंस देखने को मिलेगी। अली फजल के साथ इस सीरीज में सोनाली बेंद्रे मुख्य भूमिका निभा रही हैं। लंबे समय बाद किसी बड़े प्रोजेक्ट में वापसी कर रहीं सोनाली का किरदार भी काफी अहम बताया जा रहा है। इसके अलावा आमिर बशीर भी इस थ्रिलर सीरीज का हिस्सा होंगे। तीनों सितारों की एक साथ मौजूदगी ने दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। 'राख' का निर्देशन प्रोसित रॉय कर रहे हैं, जिन्होंने पहले 'पाताल लोक' जैसी चर्चित वेब सीरीज से अपनी पहचान बनाई थी। प्रोसित अपनी गहरी कहानी कहने की शैली और किरदारों की बारीकियों पर पकड़ के लिए जाने जाते हैं, जिससे उम्मीद है कि 'राख' भी दर्शकों को सीट से बांधे रखेगी। यह सीरीज अगले साल अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी। हालांकि मेकर्स ने अभी तक इसकी सटीक रिलीज डेट का खुलासा नहीं किया है, लेकिन अली फजल के फर्स्ट लुक ने दर्शकों को पहले ही बेसब्र कर दिया है।

सिद्धू जोन्नालगड्डा स्टारर फिल्म बैडएस का पहला पोस्टर जारी

निर्देशक रविकांत पेरेपु की अपकमिंग एक्शन एंटरटेनर फिल्म बैडएस के निर्माताओं ने इसका पहला पोस्टर जारी किया। इस फिल्म में तेलेगु स्टार सिद्धू जोनलगड्डा मुख्य भूमिका में हैं। प्रोडक्शन हाउस सितारा एंटरटेनमेंट्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर फिल्म का पहला पोस्टर शेयर किया है, जिसमें उन्होंने कैप्शन दिया, आपने हीरो देखें होगे और विलेन भी, लेकिन यह शख्स इन दोनों में फिट नहीं बैठता। स्टारबॉय के लिए रास्ता दीजिए सिद्धू बैडएस के रूप में। इस बार कोई रहम नहीं, वह स्क्रीन पर धमाल पर मचाने आ रहे हैं। पोस्टर मे अभिनेता सिद्धू जोनालागड्डा एक टेलीविजन न्यूज चैनल के कैमरे के पास खड़े होकर सिगरेट जलाते हुए दिखाई दे रहे हैं। यह फिल्म साल 2026 में रिलीज होगी। निर्माता नागा वामसी ने अपनी बात रखते हुए कहा, बैडएस एक स्टेटमेंट देने आ रहे हैं। हमारे स्टारबॉय सिद्धू एक नए अवतार में। 2026 में बड़े पर्दे पर धूम मचाने वाले हैं। रविकांत पेरेपु द्वारा निर्देशित फिल्म का निर्माण साई सौजन्या, सितारा एंटरटेनमेंट्स, फॉर्च्यून4 सिनेमा, श्रीकारास्टूडियो ने किया है। निर्माताओं द्वारा फिल्म में अभिनेता का पहला लुक जारी करने से पहले ही फिल्म की टैगलाइन ने प्रशंसकों और दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खीचा। फिल्म की टैगलाइन, अगर बीच वाली उंगली मर्द होती। हालांकि फिल्म की कहानी पर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि सिद्धू इस फिल्म में एक अभिनेता की भूमिका निभाते नजर आएंगे और फिल्म की कहानी इंडस्ट्री के लोगों के सामने आने वाली समस्याओं के इर्द-गिर्द घूमेगी। सितारा एंटरटेनमेंट की मनोरंजन से भरपूर फिल्म बैडएस को लेकर सोशल मीडिया पर उत्साह देखने को मिला। सिद्धू जोन्नालागड्डा के लिए, निर्देशक रविकांत पेरेपू की फिल्म बैडएस और निर्देशक नीरज कोना के साथ आने वाली फिल्म तेलुसु कदा की सफलता बहुत मायने रखती है, क्योंकि उनकी पिछली फिल्म जैक सिनेमाघरों में कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई थी।

शाहिद कपूर की रोमियो में तमन्ना भाटिया की एंट्री, सामने आई ये जानकारी

विशाल भारद्वाज के निर्देशन में बन रही फिल्म रोमियो की पिछले काफी समय से चर्चा हो रही है। यह इस साल की बहुचर्चित फिल्मों में से एक है। खास बात यह है कि इस फिल्म के हीरो शाहिद कपूर हैं। इस फिल्म में शाहिद के साथ अभिनेत्री तप्ति डिमरी नजर आएंगी और यह पहला मौका होगा, जब ये दोनों कलाकार पर्दे पर साथ दिखाई देंगे। अब फिल्म रोमियो में अभिनेत्री तमन्ना भाटिया की एंट्री हो गई है। रिपोर्ट के अनुसार, शाहिद और तृप्ति के बाद अब विशाल की फिल्म रोमियो की स्टार कास्ट में तमन्ना शामिल हो गई हैं। वह इस फिल्म में एक अहम भूमिका निभाने वाली है। यह शाहिद और तमन्ना के बीच पहला सहयोग है, जिसे लेकर दोनों काफी उत्साहित हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि तमन्ना ने अपने हिस्से की शूटिंग शुरू कर दी है और यह फिल्म अपने अंतिम चरण पर है। शाहिद की इस एक्शन थ्रिलर फिल्म के निर्देशन की कमान विशाल भारद्वाज ने संभाली है, जिन्हें कमीने, 7 खून माफ, हैदर, पटाखा और खुफिया जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। साजिद नाडियाडवाला इस फिल्म के निर्माता हैं। अभिनेत्री दिशा पाटनी भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। यह फिल्म 5 दिसंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। ऐसे में बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म का सामना रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर से होगा।

मैं उन कहानियों में विश्वास करती हूँ जो लोगों को छू जाएँ: सानिया नूरैन

टीवी शो निमकी मुखिया में महुआ के किरदार से अपने करियर की शुरुआत करने वाली सानिया अब हाल ही में रिलीज हुए आत्मीय संगीत वीडियो 'कर फैसला' में एक नए रंग में नजर आई हैं। उनकी यह यात्रा न केवल सधी हुई अभिनय प्रतिभा को दर्शाती है, बल्कि उनके चयनित किरदारों में गहराई और भावनात्मक पकड़ भी देखने को मिलती है। 'कर फैसला' में सानिया के साथ नजर आए जाने-माने पार्श्वगायक आमना त्रिखा, जिनके गाए गाने हुक्का बार और प्रेम लीला जैसी हिट्स रह चुके हैं। जहाँ त्रिखा की आवाज इस गाने की आत्मा को स्वर देती है, वहीं सानिया की अदायगी इसे एक अलग ही गहराई प्रदान करती है। उन्होंने केवल अभिनय नहीं किया — उन्होंने हर भावना को आत्मसात किया और उसे ईमानदारी से परदे पर उतारा। सानिया कहती हैं, मैं उन कहानियों में विश्वास करती हूँ जो लोगों को भीतर तक छू जाती हैं। 'कर फैसला' ने मुझे यह मौका दिया — बिना संवादों के दर्द, शक्ति और मौन को अभिव्यक्त करने का। यह एक ऐसा प्रोजेक्ट है जो मेरे दिल के बेहद करीब है। इस म्यूजिक वीडियो की सिनेमेटोग्राफी, मार्मिक बोल और संक्षिप्त लेकिन प्रभावशाली कहानी सानिया के भावपूर्ण अभिनय को और अधिक निखार देती है। दर्शकों ने उनके अभिनय में झलकती संवेदनशीलता और शांत ताकत की सराहना की है, साथ ही उनके दृश्यात्मक प्रभाव को भी काफी सराहा है। यह पहली बार नहीं है जब सानिया ने दर्शकों का दिल जीता हो। 'निमकी मुखिया' और इसके सीक्वल 'निमकी विधायक' में उन्होंने अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई थी। यह शो सामाजिक मुद्दों पर आधारित था और 600 से अधिक एपिसोड तक चला — जो अपने आप में एक उपलब्धि है। महुआ का किरदार, जिसकी ईमानदारी और भावनात्मक गहराई दर्शकों के दिलों में उतर गई, सानिया के अभिनय की असली पहचान बना। अब सानिया जल्द ही नजर आएँगी आगामी वेब सीरीज 'सरकारी दमाद' में, जिसमें नजर आएँगे व्यंग्य, झुमा और मनोज तिवारी के गानों से सजा एक शानदार साउंडट्रैक। हालाँकि फिलहाल शो के बारे में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, पर दर्शकों की उम्मीदें जरूर ऊँची हैं। सानिया नूरैन की यात्रा को खास बनाता है उनका विश्वास — सिर्फ भूमिकाओं का चयन नहीं, बल्कि उनका मकसद और जुड़ाव।

बेलमकोंडा साई श्रीनिवास, अनुपमा परमेश्वरन किष्किंधापुरी का पहला सिंगल उंडीपोवे नाथोन रिलीज

एक्शन हल्क बेलमकोंडा साईं श्रीनिवास वर्तमान में किष्किंधापुरी में अभिनय कर रहे हैं। शाइन स्क्रीन्स के बैनर तले गतिशील और जोशीले साहू गरपति द्वारा निर्मित और श्रीमती अर्चना द्वारा प्रस्तुत, इस फिल्म का लेखन और निर्देशन कौशिक पेगल्लापति ने किया है। अनुपमा परमेश्वरन इस मनोरंजक हॉरर-मिस्ट्री थ्रिलर में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। अपनी पहली झलक से रोमांच बढ़ाने के बाद, टीम ने अब अपने पहले सिंगल, उंडीपोवे नाथोन के रिलीज़ के साथ रहस्य की एक हल्की परत खोल दी है। रिलीज हुआ यह गाना फिल्म के संगीत अभियान की शुरुआत का प्रतीक है और रोमांस की एक दिल को छू लेने वाली झलक पेश करता है। चैतन भारद्वाज द्वारा रचित इस खूबसूरत गाने में बेलमकोंडा साईं श्रीनिवास और अनुपमा परमेश्वरन की मनमोहक केमिस्ट्री देखने लायक है। संगीतकार ने समकालीन ध्वनियों को ऑर्केस्ट्रा की गहराई के साथ मिलाकर एक ऐसा ट्रैक तैयार किया है जो आधुनिक और कालातीत दोनों है। यह जीवंत बीट्स वाला एक प्रेम राग है। जावेद अली द्वारा भावपूर्ण ढंग से गाए गए उंडीपोव को पूर्णा चारी के काव्यात्मक बोल और भी ऊँचा कर देते हैं, जो प्रेम में डूबे दिल की भावनाओं को खूबसूरती से व्यक्त करते हैं। समुद्र तट के मनोरम दृश्यों में रचे गए दृश्य, फिल्म के अन्यथा तीव्र स्वर को संतुलित करते हुए, आकर्षण और शांति प्रदान करते हैं। निर्देशक कौशिक पेगल्लापति, जिन्होंने पहले फिल्म के पहले टीज़र में दर्शकों को एक भूतिया दुनिया से रूबरू कराया था, यहाँ एक रोमांटिक विराम लेते हैं, जिससे मुख्य किरदारों के बीच के बंधन की एक ताज़ा झलक मिलती है। राजू सुंदरम की शानदार कोरियोग्राफी गाने के माहौल को और निखारती है, जिससे यह न केवल एक संगीतमय बल्कि एक दृश्यात्मक अनुभव भी बन जाता है। फिल्म के विश्व-निर्माण में अनुभवी टीम का सहयोग है, जैसे मनीषा ए. दत्त प्रोडक्शन डिज़ाइन का नेतृत्व कर रही हैं, और डी. शिव कामेश कला निर्देशक हैं। निरंजन देवरामणे संपादन का काम संभाल रहे हैं। जी. कनिष्क क्रिएटिव हेड हैं, जबकि दारहास पालकोलु सह-लेखक और के. बाला गणेश पटकथा लेखक हैं।

द बंगाल फाइल्स का ट्रेलर रिलीज, भारत, बंगाल और कत्लेआम, रोंगटे खड़े कर देगा एक-एक सीन

भारतीय सिनेमा के बेहतरीन फिल्ममेकर में से एक विवेक रंजन अग्निहोत्री हमेशा अपनी फिल्मों से चर्चा में रहते हैं. अब वे अपनी ट्रुथ-टेलिंग ट्रिलॉजी पूरी करने वाले हैं, फिल्म द बंगाल फाइल्स के साथ, जो भारत के इतिहास का एक लंबे समय तक छिपा रहा अध्याय सामने लाएगी. काफी इंतजार के बाद, विवेक इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है. लेकिन ट्रेलर लॉन्च में शामिल दर्शकों के लिए एक खास सरप्राइज भी है, दरअसल ट्रेलर से पहले 15 मिनट का एक्सक्लूसिव कट भी दिखाया गया. यह खास प्रीव्यू, जिसे विवेक पहले फिल्म के अमेरिका प्रीमियर में दर्शकों को दिखा चुके हैं, अब भारत में भी आने वाला है. इस वीडियो कट में बंगाल की असली तस्वीरें दिखीं, जो इलाके की अनकही कहानियां और छिपे सच सामने लाने का काम करती है. 15 मिनट का यह सेगमेंट दर्शकों को फिल्म की कहानी में गहराई से झांकने का मौका देगा और उन्हें उस जोरदार और खुलासों भरी कहानी की समझ देगा जिसे वे देखने वाले हैं. यह द बंगाल फाइल्स के मूड को सेट करने के साथ-साथ पूरे ट्रेलर लॉन्च के लिए उत्साह भी बढ़ाया था. जब से द बंगाल फाइल्स का टीजर आया है, फिल्म पूरे देश में चर्चा में है. कुछ सीन में काली माँ की मूर्ति को भट्टी में जलते दिखाने के कारण विवाद हुआ. इसके चलते कई एफआईआर दर्ज हुईं, जिनमें तृणमूल कांग्रेस के सदस्य शामिल थे. फिल्म के निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री, प्रोड्यूसर अभिषेक अग्रवाल और अभिनेत्री-प्रोड्यूसर पल्लवी जोशी पर फिल्म में विवादित कंटेंट दिखाने के आरोप लगे, लेकिन हाई कोर्ट ने बीच में हस्तक्षेप किया और सभी एफआईआर पर रोक लगा दी, जिससे फिल्म का प्रमोशन जारी रखा जा सका. इस विवाद ने लोगों की जिज्ञासा और बढ़ा दी है, और अब दर्शक ट्रेलर देखने के लिए और उत्साहित हैं. द बंगाल फाइल्स को लिखा और डायरेक्ट किया है विवेक रंजन अग्निहोत्री ने, जबकि प्रोडक्शन की कमान अभिषेक अग्रवाल और पल्लवी जोशी ने संभाली है. फिल्म में मिथुन चक्रवर्ती, पल्लवी जोशी, अनुपम खेर और दर्शन कुमार जैसे दमदार कलाकार नजर आने वाले हैं. ये फिल्म तेज नारायण अग्रवाल और आई एम बुद्धा द्वारा प्रस्तुत और विवेक की फाइल्स ट्रिलॉजी का हिस्सा है, जिसमें पहले ही द कश्मीर फाइल्स और द ताशकंद फाइल्स जैसे चर्चित प्रोजेक्ट शामिल हैं। फिल्म 5 सितंबर 2025 को थिएटर्स में दस्तक देगी.

Heavy rains in the mountains cause floods in the plains, IMD issues red alert

New Delhi, Heavy rains in Himachal Pradesh and Uttarakhand have created flood-like conditions in many states including Punjab, Haryana and Delhi. People in low-lying areas of Delhi have been alerted due to the rising water level of Yamuna. The Indian Meteorological Department (IMD) on Monday issued a red alert for heavy rains in Chhattisgarh, Odisha, Andhra Pradesh, Telangana, Maharashtra, Goa and Karnataka in view of the latest low pressure area. Along with this, clouds will also rain in Mumbai and Delhi. Due to torrential rains in Uttarakhand, a 40-meter walkway connecting the second Kedar Madmaheshwar collapsed near Bantoli. This trapped 142 passengers, who were rescued by the SDRF with the help of ropes. The Meteorological Department has issued a yellow alert for heavy rains in some places in the state's Pauri, Bageshwar, Pithoragarh and Nainital. On the other hand, the monsoon will weaken a bit in Himachal Pradesh, but there is a yellow alert in Kangra and Chamba

districts. 353 roads are blocked due to landslides in the state. Due to heavy rains in Delhi on Sunday, people had to face trouble due to waterlogging and jams on the roads. The Meteorological Department has also forecast sporadic rains on August 18. A western disturbance and low pressure area is forming, which will also affect Delhi NCR. There will be heavy rains in Mumbai on August 18-19. Apart from Raigad, Ratnagiri, there is a red alert in the Ghats of Pune, Kolhapur and Satara. The monsoon phase in Uttar Pradesh has gradually started weakening, due to which heat and humidity have started bothering with the rise in temperature. There may be light rain at some places in the state on Monday. In Bihar too, there is a possibility of light to moderate rain with lightning in 17 districts. On the other hand, due to the monsoon trough passing through the west-south part of Madhya Pradesh and the low pressure area becoming active, there is a possibility of heavy rain in 14 districts. Monsoon has become active again in Rajasthan, due to which good rains occurred in Kota, Udaipur, Sriganganagar, Sirohi and Rajsamand districts on Sunday. On the other hand, the heat and humidity have increased due to the cessation of rain in the eastern parts. The Meteorological Department has issued a yellow alert for rain in 27 districts on August 18. Heavy rains may occur in some parts of Kota and Jaipur divisions along with strong winds at a speed of 30-50 km / h. Due to heavy rains in Jammu and Kashmir, the water level of the Ravi river has increased. Due to this, many posts and border areas of Pathankot in Punjab have been submerged in water. Water has increased by 2-3 feet in some villages. A yellow alert has been issued regarding rain in the state on Monday. Heavy rains may occur here in Pathankot, Gurdaspur, Hoshiarpur and Rupnagar. On the other hand, rain is expected in Panchkula, Yamunanagar, Karnal, Panipat, Sonipat, Gurugram and Faridabad in Haryana.

Do not try to damage government property, Om Birla warned

New Delhi, Lok Sabha Speaker Om Birla on Monday issued a stern warning to opposition MPs protesting against the Special Intensive Revision and other issues, urging them not to damage government property. Addressing the House, Birla said that if you ask questions with the same force with which you are raising slogans, it will be beneficial for the people of the country. He said, the public has not sent you to destroy government property. I request you and warn you that no member has the privilege to destroy government property. He cautioned the MPs that if they continue to do so, they will have to take some decisive decisions. Birla said, if you try to destroy government property, I will have to take some decisive decisions and the people of the country will see you. Action has been taken against members for such incidents in many assemblies. I warn you again do not try to damage government property. This is my request to you. Meanwhile, due to the uproar, the proceedings of the Lok Sabha were adjourned till this afternoon. Earlier today, India Block leaders protested in the Parliament premises against SIR in Bihar. Let us tell you that since the beginning of the monsoon session of Parliament on July 21, opposition parties have been protesting

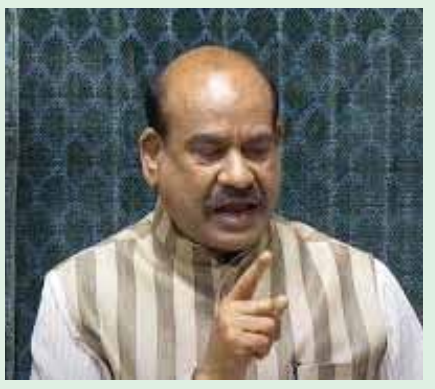

against the revision of the voter list. The ruling party has accused the opposition of disrupting the proceedings of Parliament. Terming this ongoing process as silent, invisible rigging, India Block leaders waved banners calling for an end to vote theft. A day earlier, Chief Election Commissioner Gyanesh Kumar addressed a press conference in the national capital and refuted the vote theft claims leveled by Congress MP Rahul Gandhi against the Election Commission of India. He termed the allegations of bias leveled by the Leader of Opposition in the Lok Sabha as an insult to the Constitution of India. Also, the Chief Election Commissioner also asked Congress MP Rahul Gandhi to either submit a signed affidavit or apologize to the country for his remarks.

Threat to bomb 3 schools including DPS in Dwarka, premises evacuated

New Delhi, Once again, there has been a threat to bomb schools in Delhi. This time the threatening email has come to 3 schools in Dwarka. Police said that Delhi Public School (DPS), Shriram World School and Modern School have been threatened. Police received information about the threat from the schools at around 7 am. Teams of Delhi Police, bomb disposal squad and dog squad reached the spot and evacuated the premises. Police officials said that they have checked all the schools, but nothing suspicious has been found yet. Children in some schools have

been sent home. Police say that the schools received the threat through email, the sender of the email is being traced. A college has also been reported to have received a threat, however, it has not been confirmed. The school management has informed the parents of the students. The series of threats to schools and colleges continues in the national capital Delhi. Last year also, more than 200 schools had received threats. Last month in July, 5 schools of Dwarka received threats of bombing and the threatening email also came from the same address. Then St. Thomas School, Delhi International School, Central Academy School, GD Goneka School and Modern International School had received threats.

Vice Presidential Election: Rajnath Singh spoke to Kharge to ensure unopposed victory for Radhakrishnan

New Delhi, Defense Minister Rajnath Singh spoke to Congress President Mallikarjun Kharge on Sunday evening and sought support for National Democratic Alliance (NDA) Vice Presidential candidate CP Radhakrishnan. According to the report, the Vice Presidential election to be held on September 9 will be held under the supervision of Rajnath Singh on behalf of the NDA. Union Minister Kiren Rijiju has been made the election agent. The NDA on Sunday declared Maharashtra Governor CP Radhakrishnan as its candidate for the Vice Presidential election. BJP National President JP Nadda made this announcement after the meeting of the party parliamentary

board in New Delhi. BJP President Nadda said that the party will contact the opposition to ensure consensus and possibly unopposed election. Addressing a conference here, Nadda said, "We will also talk to the opposition. We should also get their support so that together we can ensure unopposed election for the post of Vice President." He said that the party is trying to garner the consent of the opposition in this direction. NDA has full support in this. CP Radhakrishnan is our NDA candidate for the post of Vice President.' Radhakrishnan is currently the Governor of Maharashtra. Senior BJP leader Radhakrishnan was elected to the Lok Sabha twice from Coimbatore and was earlier working as the state president of Tamil Nadu BJP. His political career began with joining organizations like RSS and Jan Sangh and joining student politics. Since then he has used politics as a medium to serve the people. He has worked on national unity, social welfare, and social welfare.

Major accident during Krishnashtami procession, 5 died due to electrocution

Hyderabad, A tragic accident occurred during a Sri Krishnashtami procession in Hyderabad, the capital of Telangana. A chariot being pulled by devotees came in contact with the overhead power wires. Five people died on the spot and four others were injured in this accident. The incident is being investigated. The incident took place in Gokulnagar under Ramantpur on Sunday night. The deceased have been identified as Krishna Yadav (21), Suresh Yadav (34), Srikanth Reddy (35), Rudravikas (39) and Rajendra Reddy (45). According to police sources, the incident took place in Gokulnagar area when the chariot of a procession being taken out as part of the Krishna

Janmashtami celebrations came in contact with the overhead power wires. The vehicle pulling the chariot was being repaired, when some local youths stopped it on one side and pulled it by hand. During this time the chariot came in contact with the electric wires. At least nine youths pulling the chariot got an electric shock and fell on the ground. This changed the atmosphere of happiness and devotion into screams. Local people and eyewitnesses rushed to the spot and took the unconscious people to the hospital after giving them first aid, where doctors declared five people dead. Four others are being treated in a private hospital. Hearing the news of this death, the entire area was filled with mourning. It is being investigated how this accident happened. People are surprised that how high was the chariot that it came in contact with the wire. It is said that Union Minister Kishan Reddy's gunman Srinivas is also among the injured.

Supreme Court grants bail to former West Bengal Education Minister Partha Chatterjee

New Delhi, The Supreme Court on Monday granted bail to former West Bengal Education Minister Partha Chatterjee in the School Service Commission (SSC) teacher recruitment scam case. A bench of Justices MM Sundaresh and NK Singh gave this verdict while hearing the bail plea filed by Chatterjee. Chatterjee had challenged the investigation of the Central Bureau of Investigation (CBI) in the 2022 case. Along with him, former Vice Chancellor Subiresh Bhattacharya and officer Shanti Prasad Sinha have also got bail. Trinamool Congress (TMC) leader Chatterjee will not be released even after getting bail from the Supreme Court as the hearing of another CBI case related to the

primary teacher recruitment scam is still pending. Earlier, the Supreme Court had granted bail to Chatterjee on December 13, 2024 in the Enforcement Directorate (ED) money laundering case, but even then he was not released from jail due to the CBI case. Chatterjee is currently in Kolkata jail. Chatterjee was arrested by the ED on 23 July 2022 from his Kolkata residence on charges of money laundering in the SSC recruitment scam. After this, the CBI arrested him in October 2024 in the primary teacher recruitment scam case. Chatterjee has 3 ED and 5 CBI cases registered against him. He is accused of scam in the recruitment of Group C and D employees, 9th-10th class assistant teachers and primary teachers. He is expelled from TMC.

Preparations to bring impeachment motion against Chief Election Commissioner amid vote theft controversy

New Delhi, The opposition's India Alliance is preparing an impeachment motion against Chief Election Commissioner (CEC) Gyanesh Kumar amid the vote theft controversy. Opposition parties are angry with Kumar's answers given in the press conference on Sunday, in which he asked Leader of Opposition Rahul Gandhi to apologize and give an affidavit without naming him. The opposition can also include those parties for the impeachment motion, which are not officially part of the India Alliance. According to sources, apart from India Alliance, the impeachment motion against the Chief Election Commissioner can also get support from Biju Janata Dal (BJD) of Odisha, Bharat Rashtra Samiti (BRS) of Telangana and YSR Congress Party of Andhra Pradesh as they also complained to the Election Commission about irregularities in the voter list. Opposition parties can bring the impeachment motion in the winter session as the monsoon session is ending on August 21. CEC Kumar on Sunday, without naming the Leader of Opposition in the Lok Sabha Rahul Gandhi, had said at the National Media Center in Delhi on the allegations of vote theft that he will either have to give an affidavit or apologize to the country. There is no third option. He had said that if the affidavit is not received within 7 days, it means that all these allegations are baseless. He also rejected the allegations of double voting.

Supreme Court expressed concern over the condition of cadets who became disabled during training

New Delhi, The Supreme Court has taken suo motu cognizance of the difficulties of those cadets who were discharged on medical grounds midway due to injury or disability during training. The Supreme Court has sought a response from the Central Government and the Defense Forces and said that the arrangement of insurance cover should be considered to provide financial security to such cadets. A bench of Justices BV Nagarathna and R Mahadevan heard the case. The court has scheduled the next hearing of the case for September 4. The bench asked Additional Solicitor General Aishwarya Bhati, appearing for the Center, to seek instructions regarding increasing the ex-gratia amount of Rs 40,000 given for medical expenses to the cadets who become disabled during the training program. The apex court asked the Center to consider a plan for rehabilitation of these disabled candidates after their treatment to bring them back to desk jobs or any other work related to defense services. The bench said, we want the brave cadets to remain in the army.

Why did NDA choose CP Radhakrishnan as the candidate for the post of Vice President

Bet on OBC and South India equation

New Delhi, The BJP-led National Democratic Alliance (NDA) on Sunday (August 17) chose Maharashtra Governor CP Radhakrishnan as its candidate for the post of Vice President. Prime Minister Narendra Modi himself approved his name in the BJP Parliamentary Party meeting. After that, BJP National President JP Nadda created a stir in political circles by announcing it. In such a situation, let us know why the NDA has chosen Radhakrishnan. Born on October 20, 1957 in Tiruppur, Tamil Nadu, Chandrapuram Ponnuswamy Radhakrishnan has been a senior BJP leader. He is serving as the Governor of Maharashtra from July 31, 2024. Prior to this, he was the Governor of Jharkhand from February 2023 to July 2024 and also held additional charge of Telangana from March to July 2024. Similarly, he also held additional charge of Lieutenant Governor of Puducherry from March to August 2024. Radhakrishnan started his political career with Rashtriya Swayamsevak Sangh (RSS) and Jansangh. He joined RSS and Jansangh as a member in the year 1974 at the age of just 16. He became the secretary of Tamil Nadu BJP in the year 1996 and was elected Lok Sabha MP from Coimbatore in 1998-99. He also held the responsibility of Tamil Nadu BJP President from 2004 to 2007. Similarly, he was in charge of Kerala BJP from 2020-2022. The BJP has chosen Radhakrishnan for the post of Vice President keeping in mind the assembly

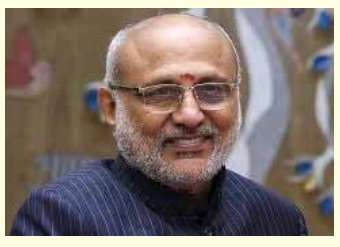

elections to be held in Tamil Nadu this year. The BJP has been trying to establish roots in Tamil Nadu for many years. Seeing Radhakrishnan's popularity in Coimbatore, BJP has come with him and focused on the western belt of Tamil Nadu. Let us tell you that in the 2021 assembly elections, the vote share of BJP was 2.6 percent and the party now wants to increase it. BJP has tried to strengthen ties with RSS by choosing Radhakrishnan. Before the Lok Sabha elections, Nadda had said that BJP no longer needs RSS. This angered RSS. The result was that BJP could only get 240 seats in the Lok Sabha elections, which was 32 less than the majority. Now BJP has taken a step to strengthen ties with RSS and send a message to the ideological backbone of the organization. BJP has played a big master stroke by choosing Radhakrishnan. It will not be easy for anyone to oppose him. Radhakrishnan himself is from Tamil Nadu and at present there is a DMK government there. Due to this, now Chief Minister MK Stalin will not be able to oppose the state's candidate even if he wants to, looking at the local political equations. In such a situation, DMK, which is BJP's arch rival in central politics, will now be forced to support Radhakrishnan. After continuous efforts, BJP's position has improved in Tamil Nadu, but it is still not getting the expected support. Now the party has played the OBC card by putting Radhakrishnan forward. Actually, Radhakrishnan comes from the Gaunter (Kongu Vellalar) community included in OBC. This is an important vote bank in Tamil Nadu politics. In Western Tamil Nadu, OBCs prove to be even more decisive. In such a situation, BJP has played a big gamble. Radhakrishnan is currently the Governor of Maharashtra. There have been cultural and political relations between Maharashtra and Tamil Nadu for a long time. There are a large number of people from the Tamil community in Mumbai and Pune. There is also a decades-old affinity between Tamil Nadu's film industry and Maharashtra's Marathi culture. By choosing Radhakrishnan, BJP has shown that a leader from the South can rule in Western India and hold the number two position in Delhi.